

उधमपुर में दो आतंकवादी किये ढेर,हथियार और गोला-बारूद बरामद

उधमपुर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के ब्रडल इलाके में गुरुवार को खुफिया जानकारी के आधार पर तलाए गए एक संयुक्त ऑपरेशन में दो आतंकवादी मारे गए। सेना की खसट नाइट कोर्प्स ने कहा कि ब्रडल इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की पक्की जानकारी मिलाने के बाद 16 और 17 सितंबर की दरमियांनी रात ऑपरेशन सोहन नाम का यह ऑपरेशन शुरू किया गया था। खराब मौसम,भूकल इलाके और कम विजिबिलिटी के बावजूद सेना,जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों ने आतंकवाद-विरोधी ऑपरेशन चलाया, जिसमें दो आतंकवादी मारे गए। सेना ने बताया कि मुठभेड़ वाली जगह से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए हैं। सेना ने कहा कि ऑपरेशन अभी भी जारी है और इलाके में किसी भी बचे हुए खतरे का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। मारे गए आतंकवादियों की पहचान की जा रही है। इससे पहले बुधवार देर रात को सुरक्षाबलों ने मजालता इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखने के बाद गोलीबारी की थी, जिसके बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया और चौकसी बढ़ दी गई थी।

देश में मेडिकल स्टोर पर सीसीटीवी जरूरी करने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली। आने वाले दिनों में सभी मेडिकल स्टोर पर सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य हो सकता है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने इन रूल्स 1945 में संशोधन का प्रस्ताव रखा है। इसका उद्देश्य डेट्रगूल एच.एच। और एक्स श्रेणी की दवाओं की बिज्री और वितरण पर नियामकीय निगरानी को मजबूत करना है। मंत्रालय ने 8 सितंबर को अधिसूचना जारी किया है। प्रस्ताव में मेडिकल स्टोर पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी अनिवार्य करने की बात कही गई है। इसके जरिए इन दवाओं की बिज्री में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। प्रस्ताव के मुताबिक प्रतिबंधित दवाओं तक अनधिकृत पहुंच और छिना पैघ एवं के बिज्री से जुड़ी पिताओं को देखते हुए सीसीटीवी निगरानी को अतिरिक्त नियामकीय सुरक्षा के तौर पर शामिल किया जा रहा है। इस प्रस्ताव पर पहले दवा विचार कमिटी में चर्चा हुई थी। इसके बाद इसे इन रैविनकल एडवाइजरी बोर्ड के सदस्यों के बीच विचार के लिए भेजा गया। बोर्ड ने प्रस्ताव को मंजूरी देने की सिफारिश की। गुरुवार को मंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि संशोधन लागू होने के बाद डेट्रगूल एच और एएस दवाओं की बिज्री और वितरण की निगरानी मजबूत होने की उम्मीद है। साथ ही पैघ डॉक्टर की एपी के बिना इन दवाओं की बिज्री और अनधिकृत पहुंच पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने विश्वकर्मा जयंती पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को मंगलान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने निर्माण कार्यों में जुटे देशभर के शिल्पकारों और हुनरमंद लोगों का विशेष अभिनंदन करते हुए कहा कि उनका कोशल और परिश्रम विकासित एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एएस पर पोस्ट कर कहा कि देशिणी भगवान विश्वकर्मा से जुड़े इस दिव्य अवसर पर निर्माण कार्यो में जुटे देशभर के शिल्पकारों एवं हुनरमंद साथियों को उनका विशेष अभिनंदन है। उन्होंने कहा कि शिल्पकारों का कोशल और परिश्रम देश के विकास तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के जवनिर्माण की दिशा में शिल्पकारों और हुनरमंद साथियों के प्रयासों को हरसंभव प्रोत्साहन मिलता रहे, इसके लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश के साथ मंगलान विश्वकर्मा की महिला का वर्णन करते वाला सुभाषित भी साझा किया-आनंदिप्रोक्तैयम् अस्त्वथा योजनयाम्। लोकसुधा जगन्नाथः विश्वकर्मान्वभौ नमः। इस सुभाषित का अर्थ है कि मंगलान विश्वकर्मा आदि-आनंदि,असीम और अप्रमेय है। उनका कोई निश्चित रूप नहीं है और वे जय-पराजय से परे है। वे संपूर्ण संसार के स्वप्न तथा जगत के स्वामी के रूप में विद्यमान हैं।

दैनिक

राष्ट्रीय गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com



राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

■ भोपाल, शुक्रवार 18 सितम्बर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 99 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर सेवा-संकल्प अभियान का शुभारंभ : ग्रामीण आबादी को मिलेगा अपनी संपत्ति का अधिकार : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि स्वामित्व योजना शुरू होने से ग्रामीण आबादी को उनका अधिकार मिलेगा। हमारी सरकार द्वारा प्रदेश के 41 हजार से अधिक गांवों में एक माह तक अभिलेखों की निःशुल्क रजिस्ट्री कराने का अभियान चलाया जा रहा है। पैतृक और अपनी संपत्ति हर परिवार का सपना होती है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव इंदौर में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद श्री नितिन नबीन की उपस्थिति में स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 योजना में निजी सम्पत्तियों की निःशुल्क रजिस्ट्री दस्तावेज प्रदान करने के अभियान के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ.यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर स्वामित्व योजना के रूप में



प्रदेश भाजपा अध्यक्ष खंडेलवाल ने गिराई सरकार की उपलब्धियां

इंदौर। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने गांव, गरीब, किसान, महिला और युवाओं के कल्याण को प्राथमिकता देते हुए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं। गरीब परिवारों को गैस कनेक्शन, बैंक खाते, पक्के मकान और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ने का कार्य किया गया है। इसी क्रम में ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षों से अपनी संपत्ति पर निवास कर रहे लोगों को उनके मकानों और भूमि के वैधानिक दस्तावेज उपलब्ध कराने की दिशा में स्वाचित्व योजना महत्वपूर्ण पहल है। मध्यप्रदेश में लगभग 50 लाख लोगों को उनके घरों के दस्तावेज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे ग्रामीण परिवारों को अपनी संपत्ति का अधिकारिक दस्तावेज मिलेगा और आवश्यकता पड़ने पर बैंक ऋण जैसी सुविधाओं का लाभ लेने में भी सहायता मिलेगी। लोकमता अहिल्याबाई ढेलकर ने शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता लोककल्याण को माना था। उसी भावना के अनुरूप मध्यप्रदेश सरकार ग्रामीणों के हित में कार्य कर रही है। बाबा मलकाल का आशीर्वाद, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से प्रारंभ यह पहल ग्रामीण भारत के भविष्य को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम में आमार प्रदर्शन नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री नितिन नबीन और अतिथियों ने कार्यक्रम स्थल पर शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमों एवं जिले में संचालित विकासालोक गतिविधियों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के सपने को पूरा करने की दिशा में राज्य सरकार ने स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 के अंतर्गत 50 लाख निजी संपत्तियों की निःशुल्क रजिस्ट्री अभियान का शुरु किया है। अब प्रदेश के ग्रामीण भाइयों-बहनों को घरों की रजिस्ट्री के लिए कोई पैसा नहीं देना होगा। मध्यप्रदेश ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बना है। प्रदेश में अब तक लगभग 68 लाख अधिकार पत्र तैयार किए गए हैं, इनमें 50 लाख निजी संपत्तियों के हैं। आज से इन्हें मकान मालिकों को निःशुल्क रजिस्ट्री देते के लिए राज्य सरकार लगभग 4 हजार करोड़ रुपये खर्च कर रही है।

एक अनमोल उपहार दिया है। लोकमता देवी अहिल्याबाई होकरने ने सुशासन,धर्म संस्कृति और जनसेवा के लिए मजबूत नींव रखी थी। उन्होंने विधवा बहनों को संपत्ति का अधिकार और कानूनी सुरक्षा देने की पहल की थी। इसी से प्रेरणा लेकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वामित्व योजना के माध्यम से गरीब के सपनों को जमीन पर उतारने का सराहनीय कार्य किया है। इस योजना को शुरुआत देवी अहिल्या की नगरी इंदौर से हो रही है। यह रजिस्ट्री केवल एक कागज का

चिप विनिर्माण के लिए भारत खुद को लगातार तैयार कर रहा है : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यशोभूमि में सेमीकॉन इंडिया-2026 का किया उद्घाटन

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि दुनिया को सेमीकंडक्टर विनिर्माण के लिए नए और भरोसेमंद स्थानों की जरूरत महसूस हो रही है और भारत इस अवसर के लिए खुद को लगातार तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सेमीकंडक्टर विनिर्माण का पसंदीदा गंतव्य बनने की दिशा में हर जरूरी कदम उठा रहा है। प्रधानमंत्री ने यहां यशोभूमि में सेमीकॉन इंडिया-2026 का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत सेमीकंडक्टर मिशन के दूसरे चरण की शुरुआत कर चुका है। पहले चरण में करीब आठ अरब डॉलर के व्यय की योजना थी, जिसे दूसरे चरण में बढ़ाकर 13.5 अरब डॉलर किया गया है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में नीतियों पर चर्चा हुई, बाद के चरणों में पायलट लाइन और परीक्षण की दिशा में प्रगति हुई और अब भारत वाणिज्यिक उत्पादन के चरण में पहुंच गया

केंद्र सरकार ने किया फिल्म सेंसर बोर्ड की नई टीम का ऐलान



प्रीति जिंटा, सुनील शेट्टी समेत ये 18 सितारे बने बोर्ड के सदस्य

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्र सरकार ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड का नए सिरे से गठन किया है। नई व्यवस्था में फिल्म, टेलीविजन, संगीत, साहित्य और कला जगत से जुड़े कई चर्चित चेहरों को बोर्ड में जगह दी गई है। नई नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी और सदस्यों का कार्यकाल अधिकतम तीन वर्ष तक हो सकता है। नए बोर्ड में मनोज जोशी, प्रियदर्शन,सुनील शेट्टी, प्रीति जिंटा, पंकज त्रिपाठी और प्रोसेनजित चटर्जी जैसे नाम शामिल हैं। इनके अलावा संगीतकार रिकी केज,अभिनेता एवं सांसद हंसराज हंस,अभिनेत्री रूपाली गांगुली, फिल्ममेकर नीला माधव पांडा, अभिनेत्री पल्लवी जोशी और निशिंगंधा वाड को भी सदस्य बनाया गया है। बोर्ड में विनोद अनुपम,अभिषेक जैन,सुप्रिया यारलगाड्डा,यतिंद्र मिश्रा, वामन केंद्रे और रमेश वेम्पति को छद्मछष्ट का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था, उनका कार्यकाल तीन वर्ष का है। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तहत काम करने वाला वैधानिक निकाय है। भारत में किसी फिल्म को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने

से पहले सीबीएफसी से प्रमाणन लेना आवश्यक होता है। बोर्ड का गठन सिनेमैटोग्राफ अधिनियम, 1952 के तहत किया गया है। फिल्म की सामग्री की जांच के बाद उसे निर्धारित प्रमाणपत्र दिया जाता है। प्रमाणन व्यवस्था में यू.यूप. ए और एस जैसी श्रेणियां शामिल हैं। ‘‘ सभी उम्र के दर्शकों के लिए, जबकि वयस्क दर्शकों के लिए होता है। फिल्म निर्माता सीबीएफसी की ऑनलाइन ई-सीनेप्रमान प्रणाली के जरिए प्रमाणन के लिए आवेदन कर सकते हैं। फिल्म की जांच के दौरान उसकी सामग्री को निर्धारित चयनों और दिशानिर्देशों के आधार पर देखा जाता है। जरूरत के अनुसार प्रमाणन प्रक्रिया में संशोधन या कट की मांग की जा सकती है। सरकार के अनुसार, सीनेमाटोग्राफ नियम 2024 के तहत फिल्म प्रमाणन के लिए निर्धारित अधिकतम समयसीमा 48 कार्यदिवस है। फरवरी 2026 में सरकार ने बताया था कि औसतन फीचर फिल्मों के प्रमाणन में करीब 18 कार्यदिवस और शॉर्ट फिल्मों में करीब 3 कार्यदिवस लग रहे थे। इस नए गठन के साथ सीबीएफसी में मनोरंजन और कला जगत के अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े लोगों की भागीदारी बढ़ी है, जो फिल्मों के सार्वजनिक प्रदर्शन से जुड़ी प्रमाणन प्रक्रिया में बोर्ड का हिस्सा होंगे।

किसी पूर्वाग्रह के आधार पर सवाल उठाना पूरी तरह जल्दबाजी : सुप्रीम कोर्ट

जंतर-मंतर बवाल मामले में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, कमेटे बदलने से किया इनकार

नई दिल्ली,(एजेंसी)। जंतर-मंतर पर छत्र प्रदर्शन के दौरान भड़की हिसा के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गठित हार्ड-पावर्ड इंटरग्री कमेटे को जांच तेजी से आगे बढ़ाने के कड़े निर्देश दिए हैं। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कमेटे के सदस्यों में किसी भी तरह का बदलाव करने से साफ इनकार कर दिया है। शीर्ष अदालत ने जांच का दायरा तय करते हुए स्पष्ट किया कि कमेटे सबसे पहले प्रदर्शन के दौरान पेलेट गन के इस्तेमाल,महिला प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाने,कथित बदसलूकी और दोनों पक्षों की ओर से संपत्ति को पहुंचे नुकसान की जांच को प्राथमिकता दे। सुनवाई के दौरान कुछ याचिकाकर्ताओं ने एचपीईसी की संरचना पर सवाल उठाते हुए इसके पुनर्गठन की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मांग को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि कमेटे ने अभी अपनी जांच शुरू भी नहीं की है, ऐसे में किसी पूर्वाग्रह या पूर्वधारणा के आधार पर सवाल उठाना पूरी तरह जल्दबाजी होगी। अदालत ने सख्त लहजे

मोदीजी का जीवन सार्वजनिक सेवा और संगठन के प्रति समर्पण का उदाहरण : शाह

वडनगर(गुजरात),(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा, ‘‘मोदीजी का जीवन देश के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने लंबे समय तक निरंतर जनसेवा करते हुए विभिन्न चुनारों में जनता का विश्वास और आशीर्वाद प्राप्त किया है। प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के अवसर पर उनके जन्मस्थान वडनगर में आज से दो दिवसीय जन्मदिवस के कार्यक्रम किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन और सेवा-संकल्प को समर्पित विभिन्न कार्यक्रमों के साथ वडनगर में विशेष माहौल है। इस अवसर पर चार अलग-अलग पवित्र स्थलों से बाइक यात्राएं बुधवार भूपेन्द्र पटेल की मौजूदगी में महाआरती की गईं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि यह उनके



वडनगर लाया गया। इसके बाद यात्रियों ने हाटकेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान हाटकेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया। जलाभिषेक के बाद शर्मिष्ठा तालाब पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की मौजूदगी में महाआरती की गई। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि यह उनके

लिए सौभाग्य की बात है कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर वे उनके जन्मस्थान वडनगर आए हैं। उन्होंने हाटकेश्वर महादेव के चरणों में प्रधानमंत्री मोदी के दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की सेवा का देश के सार्वजनिक जीवन में बहुत बड़ा योगदान है।

सुविचार

मेरे विचार से विद्वानों के पत्र मानव के समस्त कथनों से श्रेष्ठ हैं।

- फ्रांसिस बेकन

विश्वनाथ मंदिर में प्रधानमंत्री के स्वस्थ एवं सुदीर्घ जीवन की कामना की गई



रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी ने बाबा विश्वनाथ का विशेष पूजन किया

वाराणसी, 17 सितंबर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 76वें जन्मदिन पर गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री काशी विश्वनाथ धाम में अपने विश्वनाथ का विशेष अनुष्ठान एवं दर्शन-पूजन किया। दोनों नेताओं ने जलाभिषेक और आरती कर बाबा के चरणों में श्रद्धा निवेदित की तथा प्रधानमंत्री के स्वस्थ एवं सुदीर्घ जीवन के साथ देश और प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, विश्वनाथ के धाम में विशेष पूजा-अनुष्ठान किया और बाबा विश्वनाथ से प्रधानमंत्री के स्वस्थ एवं सुदीर्घ जीवन की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री लंबे समय तक भारत का नेतृत्व करें, ताकि देशवासी उनके नेतृत्व में आत्मनिर्भर, सुरक्षित और विकासित भारत की संकल्पना को साकार होते देखें। कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, खजुराहो के सांसद विष्णुदत्त शर्मा,उत्तर प्रदेश के सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठीर और वाराणसी शहर दक्षिणी के विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

आदित्यनाथ, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने उपस्थित लोगों में वितरित किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस अवसर पर कहा कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिन है। इस अवसर पर सभी ने काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की और बाबा विश्वनाथ से प्रधानमंत्री के दीर्घायु धाम में आजीवन स्वस्थ रहने की प्रार्थना के साथ भारत को विकासित भारत के लक्ष्य तक पहुंचाने की भी कामना की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री और काशी के सांसद नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर रक्षा मंत्री, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और भाजपा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष समेत वरिष्ठ नेताओं ने बाबा विश्वनाथ के धाम में विशेष पूजा-अनुष्ठान किया और बाबा विश्वनाथ से प्रधानमंत्री के स्वस्थ एवं सुदीर्घ जीवन की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री लंबे समय तक भारत का नेतृत्व करें, ताकि देशवासी उनके नेतृत्व में आत्मनिर्भर, सुरक्षित और विकासित भारत की संकल्पना को साकार होते देखें। कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, खजुराहो के सांसद विष्णुदत्त शर्मा,उत्तर प्रदेश के सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठीर और वाराणसी शहर दक्षिणी के विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।



उज्जैन मे मुख्यमंत्री ने आशीर्वाद का दीया जलाया

उज्जैन शिप्रा तट और महाकाल महालोक में कुल 33 लाख दीये एक साथ प्रज्ज्वलित किये गए



राष्ट्रीय गरिमा उज्जैन जिला संवाददाता उज्जैन । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल एवं प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंघी ने शिप्रा नदी के रामघाट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर आशीर्वाद दिया जलाकर सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ किया। जैसे ही मुख्यमंत्री ने आशीर्वाद के दीये का प्रज्ज्वलन किया ठीक उसी समय हजारों

वॉलंटियर्स ने एक साथ शिप्रा नदी के दोनों तटों पर सजाए गए मिट्टी के 25 लाख दीयों का प्रज्ज्वलन किया । महाकाल महालोक को मिलाकर कुल 33 लाख द्वीप प्रज्ज्वलन का रिकॉर्ड बनाया। शिप्रा तट एवं अन्य स्थान पर द्वीप प्रज्ज्वलन कार्य मात्र 3 मिनट के समय में किया गया । मुख्यमंत्री और अतिथियों ने रामघाट पर सजाए गए दीपों का प्रज्वलन करके वॉलंटियर का साथ दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव , राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन एवं प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल , प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंघी शिप्रा आरती में शामिल हुए तथा मां शिप्रा की आराधना की। जैसे ही आशीर्वाद का दीया प्रज्ज्वलित होता है एक सायरन की आवाज होती है। 25000 वॉलंटियर्स इसी सायरन का इंतजार कर रहे थे। शिप्रा तट पर एवं महाकाल महालोक में तुरंत एक साथ सभी 33 लाख दीयों के प्रज्ज्वलन की कार्रवाई शुरू हुई । जगमग हुए घाट और प्रज्ज्वलित हुए लाखों दीप मानों प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र भक्ति की सेवा के लिए किये गए विगत 25 वर्षों के कार्यों के प्रति आदर और स्नेह की रोशनी फैला रहे थे। उज्जैन में शिप्रा तट के रामघाट, दत्त अखाड़ा , केदारेश्वर घाट, सुनहरी घाट, भूखी माता घाट के साथ-साथ महाकाल महालोक में भी दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित करते हुए लगभग 33 लाख दीपों का प्रज्ज्वलन किया गया। कार्तिक मेला ग्राउंड पर दीप प्रज्ज्वलित कर प्रधानमंत्री जी का चित्र बनाया गया उज्जैन के कार्तिक मेला ग्राउंड पर वॉलंटियर्स द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का चित्र बना कर उनके जन्म दिवस का उत्सव मनाया।

शिवना घाट पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने किया श्रमदान



स्वच्छता का लिया संकल्प

मंदसौर। सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार सुबह शिवना नदी के घाट पर सामूहिक स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने घाट की साफ-सफाई कर श्रमदान किया। अभियान में राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा विजय पाटीदार, नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, स्थानीय जनप्रतिनिधि, कलेक्टर दिव्यांक सिंह, सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन सहित अधिकारी-कर्मचारी और विद्यार्थी शामिल हुए। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संकल्प के साथ देश की सेवा

करते हुए सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने हर वर्ग की चिंता की है। आयुष्मान कार्ड योजना के माध्यम से गरीब परिवारों को बेहतर अस्पतालों में उपचार की सुविधा मिल रही है। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है। शिवना नदी सहित मंदसौर नगर, प्रदेश और देश के पर्यावरण को सुरक्षित एवं संरक्षित रखने के लिए सांसद गुर्जर ने उपस्थित लोगों को शपथ दिलाई। सभी ने स्वेच्छा से पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा मां शिवना को प्रदूषण से बचाने और स्वच्छ रखने के लिए हरसंभव प्रयास करने का संकल्प लिया। साथ ही मित्रों और अन्य लोगों को भी शिवना स्वच्छता के लिए प्रेरित करने की शपथ ली।

गरोट में 2 किलो अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, एक आरोपी फरार

मंदसौर। गरोट थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 2 किलो अफीम जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब्त अफीम की कीमत करीब 3 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त आई स्मार्ट मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन भी जब्त किया है। मामले में एक आरोपी फरार है। पुलिस के अनुसार 17 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि चांदखेड़ी निवासी तुफान पिता शिवलाल मोटरसाइकिल क्रमांक ख्क-14 ख्-3352 से अफीम लेकर कछालिया तिराहा होते हुए पिपल्पा मिट्टेशाह की ओर जाने वाला है। सूचना पर सहायक उपनिरीक्षक जसराजसिंह चंदेल की टीम ने कछालिया रोड स्थित गज्जाखेड़ी फंटा पर घेराबंदी कर तुफान को पकड़ा। तलाशी में उसके कब्जे से 2 किलो अफीम बरामद हुई। पूछताछ में तुफान ने पुलिस को



बताया कि वह यह अफीम सेमलीरुपा निवासी दरियावसिंह पिता उंकारसिंह से लेकर पिपल्पा मिट्टेशाह निवासी श्रवणसिंह

पिता कालुसिंह को देने जा रहा था। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दरियावसिंह को भी गिरफ्तार कर लिया।

वहीं श्रवणसिंह फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 368/2026 के तहत धारा 8/18, 29 एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की है। गिरफ्तार आरोपियों में तुफान पिता शिवलाल (25) निवासी चांदखेड़ी थाना शाममाढ़ और दरियावसिंह पिता उंकारसिंह (65) निवासी सेमलीरुपा थाना गरोट शामिल हैं। पुलिस ने 2 किलो अफीम के अलावा 20 हजार रुपए कीमत का सैमसंग एंड्रॉयड मोबाइल और 50 हजार रुपए कीमत की आई स्मार्ट मोटरसाइकिल भी जब्त की है। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरोट रामसनेही मिश्रा, एसडीओपी गरोट विजय कुमार यादव के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी बलवीरसिंह यादव के निर्देशन में की गई। कार्रवाई में जसराजसिंह चंदेल सहित पुलिस टीम का योगदान रहा।

संपर्क अभियान 2026 को मिली बड़ी सफलता

राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल/ग्वालियर। बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का उनके घर के नजदीक त्वरित समाधान उपलब्ध कराने तथा मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के उद्देश्यों की पूर्ति की दिशा में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा संचालित संपर्क अभियान 2026 को उल्लेखनीय सफलता मिली है। 14 मई से प्रारंभ हुए इस विशेष अभियान के अंतर्गत भोपाल एवं ग्वालियर रोजन के 16 जिलों में अब तक 5,601 विशेष शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 2 लाख 46 हजार 297 उपभोक्ताओं की शिकायतों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया। अभियान के माध्यम से उपभोक्ताओं को स्थानीय स्तर पर सुविधाजनक एवं त्वरित समाधान उपलब्ध कराते हुए विद्युत सेवाओं में पारदर्शिता, सुगमता और उपभोक्ता संतुष्टि को बढ़ावा दिया जा रहा है। भोपाल रोजन के अंतर्गत शहर वृत्त भोपाल में 421 शिविरों में 25,736 शिकायतों का निराकरण किया गया। बैतूल (ओ एंड एम) वृत्त में 506 शिविरों में 30,838 शिकायतों का निराकरण, भोपाल (ओ एंड एम) वृत्त में 276 शिविरों में 10,412 शिकायतों का निराकरण, हरदा वृत्त में 150 शिविरों में 18,742 शिकायतों का निराकरण किया गया।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र में 12 लाख 47 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित

राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल/ग्वालियर। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं को आधुनिक, पारदर्शी एवं डिजिटल विद्युत सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल सभाग के 16 जिलों में स्मार्ट मीटर स्थापना का कार्य निरंतर किया जा रहा है। अब तक 12 लाख 47 हजार 523 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया कि वृत्तवार स्मार्ट मीटर स्थापना में भोपाल शहर वृत्त में 4,91,572, सीहोर में 91,379, ग्वालियर शहर में 90,353, विदिशा में 87,794, नर्मदापुरम में 83,472, रायसेन में 54,718, बैतूल में 53,288, भोपाल

(ओएंडएम) में 50,285, शिवपुरी में 33,253, गुना में 32,329, राजगढ़ में 30,770, भिंड में 30,199, हरदा में 29,569, ग्वालियर (ओएंडएम) में 26,438, मुरैना में 23,123, दतिया में 18,664, अशोकनगर में 10,957 तथा ख्योपुर में 9,360 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। स्मार्ट मीटर के माध्यम से उपभोक्ताओं को सटीक एवं पारदर्शी बिलिंग, बिजली खपत की रियल-टाइम जानकारी, ऑनलाइन मॉनिटरिंग तथा बेहतर उपभोक्ता सेवाओं का लाभ मिल रहा है। साथ ही बिजली वितरण प्रणाली को अधिक सक्षम, पारदर्शी एवं डिजिटल बनाने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

क्लासीफाईड विज्ञापन दरें

150/- रुपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक

स्क्रीम

2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन

राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान

सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703

मात्र 1500/- रुपये में पूरे एक माह चलानें

60 किलो डोडाचूरा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, ब्रेजा कार जब्त

मंदसौर। जिले की अफजलपुर थाना पुलिस ने नशा मुक्ति अभियान के तहत मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 60 किलो 100 ग्राम डोडाचूरा जब्त किया है। पुलिस ने डोडाचूरा परिवहन कर रहे मंदसौर और प्रतापगढ़ राजस्थान के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर तस्करी में प्रयुक्त सफेद रंग की ब्रेजा कार भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार 16 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सफेद रंग की ब्रेजा कार क्रमांक त्रड्ड08ष्ट्ट2439 में डोडाचूरा लेकर दो व्यक्ति डिगांव होते हुए सीतामऊ की ओर जा रहे हैं। सूचना पर थाना प्रभारी उप निरीक्षक विकास गेहलोत ने पुलिस टीम के साथ कमालपुरा फंटा, ग्राम बिलात्री में नाकाबंदी कराई। कुछ देर बाद मुखबिर के बताए हलिए की कार वहां पहुंची। पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो चालक कार को कमालपुरा की ओर



मोड़कर भागने लगा। पुलिस टीम और पंचों की मदद से घेराबंदी कर कार को रोक लिया गया। कार की तलाशी लेने पर डिब्बों में तीन काले रंग के कट्टे मिले, जिनमें कुल 60 किलो 100 ग्राम डोडाचूरा बरामद हुआ। पुलिस ने कार चालक लखन पिता

सुन्दरलाल, उम्र 25 वर्ष, निवासी निम्बाखेड़ी, थाना दलोदा, जिला मंदसौर तथा उसके साथ को-ड्राइवर सीट पर बैठे अरविन्द पिता राधाकिशन, उम्र 25 वर्ष, निवासी काजली, थाना राजजना, जिला प्रतापगढ़ राजस्थान को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों

के खिलाफ थाना अफजलपुर में धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की है। आरोपियों से डोडाचूरा के स्रोत और इसकी तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1.20 लाख रुपए कीमत का 60 किलो 100 ग्राम डोडाचूरा तथा करीब 6 लाख रुपए कीमत की ब्रेजा कार, कुल 7.20 लाख रुपए का मशरूका जब्त किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी लखन के खिलाफ पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज है। कार्रवाई में पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेरसिंह बघेल, एसडीओपी जितेन्द्र भास्कर के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी उप निरीक्षक विकास गेहलोत और अफजलपुर पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पीडीएस चावल तस्करी मामले में 5 लाख की रिश्तत लेते एसआई गिरफ्तार

हैदराबाद। तेलंगाना गठरावार निरोधक द्यूरो (एसबी) ने पीडीएस चावल तस्करी के एक मामले में कश्ति क्पा से पांच लाख रुपये की रिश्तत लेते केसरा पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर (एसआई) ज्ञानेन्द्र देवु को रोखी गिरफ्तार किया है। एसबी की कार्यवाई बुधवार रात की गई। एसबी के अनुसार, एसआई ने मामले में मदद करने और पुलिस स्टेशन में आगे किसी तरह के उपीड़न से बचाने का आभ्यासन टेकर शिकायतकर्ता से कश्ति तौर पर रिश्तत की मांग की थी।

दैनिक राष्ट्रीय गरिमा



गोपाल, शुक्रवार 18 सितम्बर 2026

www.rashtriyagarima.com

बर्डकोर्ट के आदेश पर अवेध निर्माण पर चला नगर निगम का हथौड़ा

सिलीगुड़ी। शहर के सुभाषपल्ली इलाके में बर्डकोर्ट के निर्देश के बाद सिलीगुड़ी नगर निगम ने अवेध निर्माण के खिलाफ कार्यवाई करते हुए शुक्रवार को तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, रंजन सरकार के पित ने वर्ष 1998 में यह मकान खरीद था। वर्तमान में रंजन सरकार, उनके दो भाई और परिवार के अन्य सदस्य यहां रहते हैं। हालांकि, कुछ वर्ष पहले मकान के निर्माण को लेकर कानूनी विवाद शुरू हुआ और नामला बर्डकोर्ट तक पहुंच गया।

सृजन,कौशल और श्रम के सम्मान का संदेश देती है विश्वकर्मा जयंती : मुख्यमंत्री साय

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री निवास में भगवान विश्वकर्मा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज गुरुवार को भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में सृजन, शिल्प और निर्माण के अधिष्ठता भगवान विश्वकर्मा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने भगवान विश्वकर्मा से प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली और निरंतर प्रगति की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार आर. कृष्णा दास, मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी आलोक सिंह सहित मुख्यमंत्री निवास के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री साय ने भगवान



विश्वकर्मा को नमन करते हुए प्रदेशवासियों, विशेषकर श्रमवीरों, शिल्पकारों, कारीगरों, अभियंताओं, तकनीशियनों तथा उद्योग और निर्माण क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों को विश्वकर्मा

जयंती की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि,भगवान विश्वकर्मा सृजनशीलता, कौशल, कर्मनिष्ठा और उत्कृष्टता के प्रतीक हैं। उनकी आराधना हमें अपने ज्ञान, हुनर और परिश्रम से समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा देती है। विश्वकर्मा जयंती केवल हमारी आस्था और परंपरा से जुड़ा पर्व नहीं है, बल्कि यह श्रम की प्रतिष्ठा, कौशल के सम्मान और सृजन की शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि, किसी भी प्रदेश और राष्ट्र की प्रगति के पीछे उसके श्रमवीरों, कारीगरों, शिल्पकारों, तकनीशियनों और निर्माणकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है। खेत-खलिहानों से लेकर कारखानों तक, छोटे-

छोटे प्रतिष्ठानों से लेकर बड़े उद्योगों तक और पारंपरिक शिल्प से लेकर आधुनिक तकनीक तक, हमारे कुशल हाथ अपने परिश्रम और प्रतिभा से विकास को आकार देते हैं। उन्होंने कहा कि, छत्तीसगढ़ की पहचान सदैव मेहनतकश लोगों और समृद्ध शिल्प परंपरा की रही है। हमारे शिल्पकारों और कारीगरों ने पीढ़ियों से अपने हुनर के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को सहेजा है। वहीं आज के श्रमिक,अभियंता और तकनीकी क्षेत्र से जुड़े युवा आधुनिक छत्तीसगढ़ के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। परंपरागत कौशल और आधुनिक तकनीक का यह समन्वय प्रदेश के विकास को नई दिशा देने की क्षमता रखता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि,श्रम केवल आजीविका का

माध्यम नहीं, बल्कि सृजन और राष्ट्र निर्माण की शक्ति है। प्रत्येक श्रमिक के परिश्रम और प्रत्येक कारीगर के हुनर का सम्मान करना हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है। छत्तीसगढ़ के श्रमिक,कारीगर और निर्माण से जुड़े लाखों हाथ अपने परिश्रम से प्रदेश की प्रगति को निरंतर गति दे रहे हैं। उनका श्रम और कौशल समृद्ध एवं विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की मजबूत नींव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि,विश्वकर्मा जयंती हमें यह संदेश भी देती है कि हम अपने प्रत्येक कार्य को पूरी निष्ठा, अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्टता के साथ करें। बदलते समय के अनुरूप कौशल को निरंतर निखारना और नई तकनीक को अपनाना आज की आवश्यकता है।

विकसित भारत’ के निर्माता मोदी के शासन से देश में व्यापक परिवर्तन आया : सीएम माझी

ओडिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिन पर एक महीने का ‘सेवा संकल्प अभियान’ शुरू

भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन के अवसर पर ओडिशा में एक महीने तक चलने वाले ‘सेवा संकल्प अभियान’ की शुरुआत की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने लोकसेवा भवन परिसर में अशोक के पौधे का रोपण किया और यूनिट-3 स्थित इडको प्रदर्शनी मैदान में आयोजित मेगा रक्तदान शिविर में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि रक्तदान के माध्यम से किसी का जीवन बचाने का अनुभव मानवीय मूल्यों की पहचान है। विज्ञान के क्षेत्र में कितनी भी प्रगति क्यों न हो जाए,रक्त का कोई विकल्प नहीं है और इसे किसी कारखाने में तैयार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि रक्त की कमी के कारण किसी की असमय मृत्यु न हो। मेगा रक्तदान शिविर में 6,500 यूनिट से अधिक रक्त संग्रह का लक्ष्य रखा गया है। राज्य में रक्त की उपलब्धता



और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में 50.54 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है और ‘अटल रक्तदान अभियान’ शुरू किया गया है। इसके तहत नए मेडिकल कॉलेजों में रक्त भंडार केंद्र स्थापित करने तथा मौजूदा केंद्रों के आधुनिकीकरण का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके 76वें जन्मदिन पर साढ़े चार करोड़ ओडिशावासियों की ओर से शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ‘विकसित भारत’ के

निर्माता मोदी के पांच दशक लंबे सार्वजनिक जीवन और 25 वर्षों की निरंतर शासन यात्रा ने देश में व्यापक परिवर्तन लाया है। उनके कल्याणकारी आदर्शों से प्रेरित होकर आयोजित किया जा रहा एक महीने का ‘सेवा संकल्प अभियान’ केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानव सेवा और त्याग का व्यापक जन-अभियान है। देश के विकास का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आज एक प्रभावशाली भू-राजनीतिक और

आर्थिक शक्ति के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि रक्षा आयात में कमी आई है तथा सेमीकंडक्टर और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि 2047 से पहले विकसित भारत का लक्ष्य हासिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने राज्य के युवाओं का आह्वान किया कि वे अपने दैनिक जीवन से कुछ समय निकालकर समाजसेवा में योगदान दें और राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित हों। उन्होंने कहा कि यही प्रधानमंत्री मोदी के प्रति सच्चा सम्मान होगा। नगर विकास एवं आवास मंत्री कृष्ण चंद्र महापात्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन और सेवा-संकल्प को स्मरण करने का यह अवसर है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति का जीवन बचाने के लिए रक्तदान अत्यंत महत्वपूर्ण है और समाज में सेवा तथा समर्पण की भावना को मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मेगा रक्तदान शिविर राज्य में रक्त संग्रह के क्षेत्र में नया रिकॉर्ड स्थापित करेगा।

शिल्प को आधुनिक तकनीक व नए बाजार से जोड़ा पीएम मोदी ने : मुख्यमंत्री योगी

सीएम ने विश्वकर्मा जयंती पर शिल्पकारों-कारीगरों सहित समस्त प्रदेशवासियों को दौ बधाई

गोरखपुर। भगवान विश्वकर्मा की पावन जयंती पर शिल्पकारों-कारीगरों सहित समस्त प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जो देश शिल्पकारों व कारीगरों को सम्मान देता है, वही आगे बढ़ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने इसी भावना को अपनाकर पीएम विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना का प्लेटफार्म दिया है। उन्होंने शिल्प व कारीगरी को आधुनिक तकनीक और नए बाजार से जोड़कर शिल्पकारों-कारीगरों को समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ाया है। मुख्यमंत्री योगी गोरखपुर में गुरुवार सुबह जटाशंकर स्थित श्री विश्वकर्मा पंचायत मंदिर में आयोजित श्री विश्वकर्मा पूजनोत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मंदिर में भगवान विश्वकर्मा की विधि विधान से आराधना करने के



बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि राजमिस्त्री, बढ़ई, हलवाई, सोनार का काम करने वालों सहित कारीगरी के तमाम पेशे से जुड़े लोगों के लिए उनकी शिल्प कला ही स्वावलंबन का आधार थी। पर यह हुनर, शिल्प-कारीगरी आजादी के बाद दशकों तक उपेक्षा का शिकार रही। पीएम मोदी जी के मार्गदर्शन में पहली बार डबल इंजन सरकार ने शिल्पकारों-कारीगरों को प्रशिक्षण, टूलकिट और रोजगार के विभिन्न आयामों के साथ जोड़कर उन्हें आगे बढ़ाया है। डबल इंजन

सरकार के प्रोत्साहन से यूपी में आज तीन करोड़ से अधिक लोग कारीगरी, शिल्प से जुड़कर रोजगार और स्वावलंबन की राह पर सफलतापूर्वक आगे बढ़े हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज का दिन अत्यंत पवित्र है। आज सृष्टि के शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयंती है तो साथ ही आज नए भारत के शिल्पी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिन भी है। आज हर कारीगर, शिल्पी जिसके पास कोई विशिष्ट शिल्प है, वह पूजन के जरिये सृष्टि के शिल्पी प्रभु विश्वकर्मा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर रहा है। मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी के सुदीर्घ स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए कहा, ‘गुरु गोरखनाथ की पावन धरा से भगवान विश्वकर्मा के मंदिर में सृष्टि के शिल्पी के श्रीचरणों में नमन करते हुए मैं यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन पर प्रदेशवासियों की तरफ से हृदय से बधाई देता हूँ।

देहरादून में ‘मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन’ अभियान का आयोजन आज



उत्तराखंड के चयनित 140 विद्यार्थी मुख्यमंत्री धामी से करेंगे आज संवाद

देहरादून। ‘मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन’ अभियान के अंतिम चरण में चयनित 140 छात्र-छात्राएं 18 सितंबर को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ संवाद करेंगी। ‘कैसा हो मेरे सपनों का उत्तराखण्ड?’ विषय पर प्रदेशभर के विद्यार्थियों से विचार और सुझाव आमंत्रित किए गए थे। मुख्यमंत्री धामी ने इस संवाद को और अधिक व्यापक एवं सार्थक बनाने के लिए शासन के वरिष्ठ आईएस अधिकारियों एवं विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों को भी जेन-जी के इन युवाओं के साथ संवाद करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के साथ संवाद से पहले

वरिष्ठ अधिकारी विद्यार्थियों के साथ बैठकर उनके विचार, सुझाव और प्रदेश के भविष्य को लेकर उनके विजन को समझेंगे। शिक्षा, स्वास्थ्य, वन एवं पर्यावरण, स्वरोजगार, पलायन, लोक निर्माण, आईटी, पर्यटन, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विभागों के प्रमुख युवाओं के सुझाव सुनेंगे और उनके महत्वपूर्ण विचारों से मुख्यमंत्री को अवगत कराएंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लगातार यह कहते रहे हैं कि युवा केवल उत्तराखण्ड का भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान में नीति-निर्माण के महत्वपूर्ण सहभागी भी हैं। इसी सोच के साथ ‘मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन’ को केवल एक प्रतियोगिता न बनाकर युवाओं और सरकार के बीच व्यापक

वैचारिक संवाद का मंच बनाया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर शुरू किए गए इस अभियान में प्रदेश के करीब 3 लाख कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को जोड़ा गया। इनमें से 2,67,744 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ‘कैसा हो मेरे सपनों का उत्तराखण्ड’ विषय पर विचार और सुझाव सरकार तक पहुंचाए। विद्यार्थियों को इस भागीदारी ने अभियान को एक बड़े युवा संवाद का स्वरूप दिया है। प्राप्त विचारों में से 140 श्रेष्ठ एवं सार्थक विचारों वाले छात्र-छात्राओं का चयन विशेषज्ञ टीम द्वारा किया गया है। मुख्यमंत्री धामी स्वयं भी प्रदेश के विभिन्न नगरों में विद्यार्थियों के बीच पहुंचकर उनके विचारों को सुना और उनके विजन पर संवाद किया है। अब अभियान के अंतिम चरण में इन चयनित विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री के साथ सीधे संवाद का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि विद्यार्थियों द्वारा दिए गए सार्थक एवं उपयोगी सुझावों को सरकार की नीतियों और विकास की दिशा में शामिल किया जाएगा।

बार बालाओं का डांस देखने वाले दो सिपाही पर हुई बड़ी कार्यवाही

कोशांबी। उत्तर प्रदेश के जनपद कोशांबी के कड़ाधाम थाना क्षेत्र की हब्बूनगर चौकी से जुड़े पुलिसकर्मियों का डांस देखते हुए वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद पुलिस विभाग ने कार्यवाई की है। मामले में दोनों सिपाहियों राघवेंद्र सिंह व सिपाही गोविंद कुमार को लाइन हाजिर किया गया है। क्षेत्राधिकारी सत्येंद्र तिवारी ने इसकी पुष्टि की है। बुधवार को हब्बूनगर में मेले का आयोजन किया गया था। दिन में दंगल हुआ, जबकि रात में डांस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसी कार्यक्रम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो में वर्दी पहने एक दरोगा और दो पुलिसकर्मियों के पास बैठे दिखाई दे रहे हैं। मंच पर डांस चल रहा है और अश्लील गानों पर प्रस्तुति दिए जाने का दावा किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम के दौरान किसी व्यक्ति ने पुलिसकर्मियों का वीडियो बना लिया और बाद में उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। कुछ लोगों ने वीडियो को कोशांबी पुलिस के आधिकारिक एक्स हैंडल पर भी साझा किया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस विभाग में मामला चर्चा में आ गया।

BURGO
CONSTRUCTION

WHERE QUALITY MEETS INNOVATION

- ✓ CONSTRUCTION
- ✓ RENOVATION
- ✓ DESIGNING
- ✓ CONSULTATION
- ✓ PLANNING
- ✓ MANAGEMENT

CALL NOW

+91-860-2000-710 **WWW.BURGOCONSTRUCTION.COM**

सोनिया का इनकार काबिल-ए-तारीफ निर्णय

सोनिया गांधी अपने अनुभव सुनना चाहती हैं, तो आखिर उसका अवसर उन्हें क्यों नहीं मिलना चाहिए? अगर उनकी टिप्पनियां पूर्वाग्रह भरी हुई, तो उनसे आहत पक्ष के पास जवाब देने का पूरा अवसर मौजूद रहेगा। कहने को तो भारत लोकतंत्र है, लेकिन यहां विपक्ष के सर्व-प्रमुख नेताओं तक को अपनी कहानी बताने की आजादी नहीं है! सोनिया गांधी नरेंद्र मोदी या आरएसएस के बारे में अपने अनुभव या अपनी राय सुनना चाहती हैं, तो आखिर उसका अवसर उन्हें क्यों नहीं मिलना चाहिए? भारत- चीन संबंध से जुड़ी किसी घटना पर उनकी राय को देश के सामने आने से क्यों रोका जाना चाहिए? अगर उनकी टिप्पनियां पूर्वाग्रह भरी होंगी या उनसे कोई गलतबयानी सामने आएगी, तो उससे आहत व्यक्ति या पक्ष के पास जवाब देने का अवसर तो मौजूद ही रहेगा। एक बार एक फिल्म पर प्रतिबंध से संबंधित याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि असहमत व्यक्ति फिल्म ना देखने या अभिव्यक्ति के अपने माध्यम से उसका जवाब देने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन लोकतंत्र में कलाकृति या वैचारिक अभिव्यक्ति पर प्रतिबंध का कोई औचित्य नहीं है। लेकिन ये उस दौर की बात है, जब प्रतिबंध सरकार का विशेषाधिकार समझा जाता था। तब परोक्ष दबाव या सामाजिक ट्रेलिंग के जरिए अधोषित प्रतिबंध का चलन नहीं था। ताजा मामले में प्रत्यक्ष रूप से सरकार कहीं मौजूद नहीं है। मगर देश के मौजूदा सियासी माहौल का गहरा साया इस पर साफ देखा जा सकता है। सोनिया गांधी की आत्म-कथा- ‘बिलॉगिंग: ए जर्नी ऑफ लव’ को जो प्रकाशक अमेरिका में छाप रहा है, खबरों के मुताबिक उससे ही जुड़े भारतीय प्रकाशक ने भारत में इसे जारी करने से इनकार कर दिया है। बताया जाता है कि भारतीय संस्करण में सोनिया गांधी से कुछ हिस्सों को हटाने को कहा गया, जिससे उन्होंने मना कर दिया। गुजरे सवा दशक में उसी प्रकाशक ने भारत में कई किताबों को इसीलिए नहीं प्रकाशित किया, क्योंकि उससे सत्ता या अन्य शक्तिशाली पक्षों के नाराज होने का अंदेशा था। जबकि कुछ लेखकों ने प्रकाशकों के दबाव में आपत्तिजनक हिस्से हटा कर किताब छपवा लेना बेहतर समझा। ऐसा करने से सोनिया गांधी का इनकार काबिल-ए-तारीफ निर्णय है। मगर इस घटनाक्रम ने भारत में अभिव्यक्ति के सिकुड़ते दायरे को जग-जाहिर कर दिया है, जिससे लोकतंत्र की स्थिति पर उठे सवाल और संगीन हो गए हैं।

राशिफल

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप कारोबार में नयापन लाने का प्रयास करेंगे, जिसमें आपको बहुत लाभ होगा। आज आपको नौकरी में प्रमोशन मिलने की संभावना बन रही है, जिससे आपकी आय में इज़ाफ़ा होगा। इस राशि के छात्र आज प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने के लिए बड़े शहर जा सकते हैं।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज आपको रोजगार के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे, जो आपके तरक्की का मार्ग प्रशस्त करेंगे। आज ऑफिस में आपको प्रमोशन मिलने की सुधीं में घर पर पार्टी होगी। आज आप अधिक सोचने से बचे और अपने काम पर ध्यान दें। आज आपको व्यापार में बढ़िया धन लाभ होगा, जिससे आपको कर्ज से छुटकारा मिलेगा। **मिथुन राशि:** आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप पारिवारिक जरूरतों को पूरा करने में सफल रहेंगे, सभी आपकी तारीफ़ करेंगे और दायर्य जीवन में सुख-सौहार्द की बढ़ोतरी होगी। आज आपके काम की तारीफ़ होगी और आपको किसी बड़ी कंपनी से ऑफ़र मिल सकता है।

कर्क राशि:आज का दिन आपके लिए लाभदायक बना रहेगा। आज आप बिजनेस के मामले में किसी एक्सपर्ट की राय ले सकते हैं, जिससे आपको फ़ायदा मिलेगा। कर्मपटीशन की तैयारी कर रहे छात्रों की मेहनत जल्द रंग लाएगी। इस राशि के इलेक्ट्रीशियन के कारोबारियों को व्यापार में अधिक लाभ मिलेगा। आज आपके वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप किसी कोर्स को करने के लिए किसी शिक्षक की सलाह ले सकते हैं, जिससे आपका कन्ययुजन दूर होगा। आज आपके मन में शुभ विचारों का उदय होगा और आपको कुछ नया करने की उत्सुकता बढ़ेगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी, आज आप मनवाही वस्तु ले सकते हैं। **कन्या राशि:** आज का दिन आपके लिए मिलन-कुल रहेगा। आज आप जरूरी कार्यों को पहले निपटाने की कोशिश करें, सतर्कता से हर कार्य करना आज जरूरी है। आपको देवता का भरपूर सहयोग मिलेगा। आज काक्षेत्र में कुछ नए लोगों से मुलाकात से सकती है और उनसे महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत व्यक्तियों की आय में इज़ाफ़ा होगा और किसी बड़े पद की प्राप्ति होगी। आज पारिवारिक सुख-समृद्धि में वृद्धि होगी, परिवार का माहौल सुगन्धुला बना रहेगा। आज आप किसी धार्मिक स्थल पर जाने का प्रोग्राम बनाएंगे, लेकिन अपनी जरूरत का सामान रखना न भूलें।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप अपने कार्यों को समय पर पूरा कर लेंगे और आपके मनोबल में वृद्धि होगी। हलांकि सतर्कता आज कार्य क्षेत्र में आपको बरतनी होगी।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आप अपनी योजनाओं को सफल बनाने का प्रयास करेंगे, जिसमें सहकर्मी आपका पूरा साथ देंगे। आज आप जीवनसाथी के साथ बच्चों के भविष्य को लेकर कुछ बात कर सकते हैं। आज आपको घर के बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा, जिससे आपके अधिकतर काम बनेंगे।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहेगा। आज आप अपने ऑफिस को दूसरी जगह शिफ्ट करने का मन बना सकते हैं, लेकिन उससे पहले आप जगह का परीक्षण कर लें। आज बैटी का किसी मनवाहे फ़ील्ड में सिलेक्टेशन होने के योग बन रहे हैं। आज आपके वैवाहिक जीवन में खुशियों का आगमन होगा।

कुम्भ राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपको रोजगार में बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे, जिनके माध्यम से आप तरक्की करेंगे। राजनीति में आज आपके कार्यभार की जिम्मेदारी बढ़ सकती है, लेकिन आप इसे बेखुशी निभाएंगे।

मीन राशि:आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज ऑफिस में कर्मचारी मन लगाकर काम करेंगे, लेकिन बॉस होने के नाते आपको सबके प्रति सेहस्रकृति व्यवहार करना चाहिए। आज आप समझदारी से बातों को समझेंगे और उसी अनुरूप अपने काम को आगे बढ़ाएंगे। आज आपको लिए आय के नए मार्ग प्रशस्त होंगे और कुछ जानकारी व्यक्तियों से आपकी जान-पहचान बढ़ेगी।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगता हैनिक

राष्ट्रीय गरिमा



राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

मोपाल, शुक्रवार 18 सितम्बर 2026

www.rashtriyaagarima.com

04

डिजिटल युग और एआई में हिंदी: चुनौती या नया अवसर

डॉ. आरती पाठक

21वीं सदी सूचना प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की सदी है। एक दौर था जब तकनीक और इंटरनेट की दुनिया में अंग्रेजी का एकछत्र राज माना जाता था और यह आशंका जताई जाती थी कि डिजिटल क्रांति भारतीय भाषाओं, विशेषकर हिंदी को हाशिए पर धकेल देगी। परंतु आज परिदृश्य इसके ठीक उलट है। डिजिटल युग और एआई के इस दौर में हिंदी न केवल अपनी उपस्थिति मजबूती से दर्ज करा रही है, बल्कि विकास के नए आयाम भी तलाश रही है। ऐसे में यह सवाल बेहद प्रासंगिक हो जाता है कि क्या यह दौर हिंदी के अस्तित्व के सामने कोई संकट खड़ा कर रहा है या फिर यह उसकी प्रगति का एक ऐतिहासिक अवसर है? नि:संदेह, तकनीक के शुरुआती दौर में हिंदी के सामने चुनौतियाँ कम नहीं थीं। इंटरनेट की बुनियाद और कोडिंग मुख्य रूप से रोमन लिपि पर केंद्रित थी। देवनागरी लिपि के लिए मानक फॉन्ट और सहज कीबोर्ड का न होना एक बड़ी तकनीकी बाधा थी। इसके अलावा, एआई आधारित मॉडलों को प्रशिक्षित करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले डिजिटल डेटासेट की आवश्यकता होती है। इंटरनेट पर मानक और शुद्ध हिंदी सामग्री की सीमित उपलब्धता के कारण शुरुआती वॉयस असिस्टेंट और अनुवाद टूल्स कई बार भाषा के व्याकरण और संदर्भ को सही ढंग से नहीं पकड़ पाते थे।

21वीं सदी सूचना प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की सदी है। एक दौर था जब तकनीक और इंटरनेट की दुनिया में अंग्रेजी का एकछत्र राज माना जाता था और यह आशंका जताई जाती थी कि डिजिटल क्रांति भारतीय भाषाओं, विशेषकर हिंदी को हाशिए पर धकेल देगी। परंतु आज परिदृश्य इसके ठीक उलट है। डिजिटल युग और एआई के इस दौर में हिंदी न केवल अपनी उपस्थिति मजबूती से दर्ज करा रही है, बल्कि विकास के नए आयाम भी तलाश रही है। ऐसे में यह सवाल बेहद प्रासंगिक हो जाता है कि क्या यह दौर हिंदी के अस्तित्व के सामने कोई संकट खड़ा कर रहा है या फिर यह उसकी प्रगति का एक ऐतिहासिक अवसर है? नि:संदेह, तकनीक के शुरुआती दौर में हिंदी के सामने चुनौतियाँ कम नहीं थीं। इंटरनेट की बुनियाद और कोडिंग मुख्य रूप से रोमन लिपि पर केंद्रित थी। देवनागरी लिपि के लिए मानक फॉन्ट और सहज कीबोर्ड का न होना एक बड़ी तकनीकी बाधा थी। इसके अलावा, एआई आधारित मॉडलों को प्रशिक्षित करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले डिजिटल डेटासेट की आवश्यकता होती है। इंटरनेट पर मानक और शुद्ध हिंदी सामग्री की सीमित उपलब्धता के कारण शुरुआती वॉयस असिस्टेंट और अनुवाद टूल्स कई बार भाषा के व्याकरण और संदर्भ को सही ढंग से नहीं पकड़ पाते थे। हालाँकि, जैसे-जैसे तकनीक का प्रसार भारत के छोटे शहरों और ग्रामीण अंचलों तक हुआ, डिजिटल परिदृश्य पूरी तरह बदल गया। टेक कंपनियों को यह समझने में देर नहीं लगी कि भारत का असली और विशाल बाजार गैर-अंग्रेजी भाषी आबादी में बसता है। आज गूगल, यूट्यूब और विभिन्न सोशल मीडिया मंचों



पर सबसे अधिक खोज और कंटेंट की खपत हिंदी में हो रही है। एआई और वॉयस टेक्नोलॉजी ने तो साक्षरता और भाषा के बीच की दूरी को ही मिटा दिया है। %गूगल असिस्टेंट% या %एलेक्सा% जैसे टूल्स की मदद से जो लोग लिखना या टाइप करना नहीं जानते, वे भी केवल अपनी आवाज़ के बल पर जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। इसने हिंदी भाषी आम जनमानस के लिए सूचना और ज्ञान का अधिकार वास्तव में सुलभ बना दिया है। इसी प्रकार, एआई आधारित न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन ने दुनिया भर के ज्ञान-विज्ञान, चिकित्सा, विधि और प्रशासनिक साहित्य को हिंदी में अनुदित करने की प्रक्रिया को गति दी है। आज डिजिटल युग ने हिंदी कंटेंट क्रिएटर्स, पत्रकारों, ब्लॉगर्स और पॉडकास्टर्स के लिए संभावनाओं के असीम द्वार खोल दिए हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्मस और मीडिया हाउसों में हिंदी की बढ़ती माँग ने युवाओं के लिए रोज़गार के नए और आकर्षक अवसर पैदा किए हैं। तथापि, इस उजले पक्ष के साथ एक सावधान करने वाला पहलू भी है। एआई और मशीन जनित सामग्री के

अति-प्रयोग से भाषा की शुद्धता, उसकी मौलिक आत्मा और व्याकरणिक सौंदर्य के क्षरण की संभावना बनी रहती है। %हिंग्लिश% का बढ़ता प्रभाव और मशीनी अनुवाद का अंधाधुंध उपयोग भाषा के लालित्य को चोट पहुँचा सकता है।

अतः आवश्यकता इस बात की है कि हिंदी के विद्वान, भाषाविद और तकनीकी विशेषज्ञ मिलकर काम करें। हमें एआई मॉडलों को समृद्ध, प्रामाणिक और उच्च स्तरीय हिंदी डेटासेट से प्रशिक्षित करना होगा। निष्कर्षतः, एआई और डिजिटल क्रांति हिंदी के लिए कोई खतरा नहीं, बल्कि एक स्वर्णिम अवसर है। तकनीक ने हिंदी को महज़ साहित्यिक गोष्ठियों और आधिकारिक औपचारिकताओं से निकालकर वैश्विक डिजिटल पटल पर स्थापित कर दिया है। यदि हम भाषा की मौलिकता की रक्षा करते हुए इस तकनीक को पूरी क्षमता से अपनाएँ, तो आने वाले समय में हिंदी विश्व की सबसे सशक्त और ज्ञान-समृद्ध डिजिटल भाषाओं में अग्रगण्य होगी। लेखिका कालिंदी महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय,दिल्ली

मध्यप्रदेश हिन्दी में एमबीबीएस की पढ़ाई प्रारंभ करने वाला देश का पहला राज्य

विश्वास कैलाश सारंग

स्टीफन रस्पेंडर की तरह कहें तो सर्जना के स्तर पर भाषा, अपनी भाषा एक आध्यात्मिक गतिविधि है या टाल्सटाय के शब्दों में यहाँ आध्यात्मिक सक्रियता के स्रोत प्रवाहित होते हैं या मुक्तिबोध के शब्दों में 'स्व' से ऊपर उठना, अन्य के मर्म में प्रवेश करना मनुष्यता का सबसे बड़ा लक्षण है। और यह लक्षण हिन्दी में शब्द बनते ही दिखाई देने लगता है। आकार, अक्षर और ध्वनि का एकाकार जिस भाषा में हुआ वह सिर्फ हिन्दी है। इसलिए मैं ग्लिफ़ाइट जैसे लोगों का सख्त विरोधी हूँ जो हिन्दी को गंवारू और हिन्दुओं की भाषा कहता था। 'गार्सी-द-तासी' ने लिखा था हिन्दी में हिन्दू धर्म का आभास है। इसलिए यदि हिन्दी के लोकवृत्त को समझना हो तो भक्ति आंदोलन को समझना जरूरी है। जब कबीर कहते हैं 'कबीरा खड़ा बाजार में, लिए लुकाठी हाथ' तो वो बाजार का नहीं उसकी माया का विरोध कर रहे हैं या विद्यापति की उम्मीद 'बिपत अपत तरु पाओल रे पुन नव नव पात'। यह हिन्दी का संदेश है कि जो पते सूख गए हैं तो उनमें फिर नए पते आएंगे। हमारे देश में उदारवाद के पचाचिन्ह भक्तिकाल में साफ-साफ दिखाई देते हैं। आखिर मथुरा में आचार्य वल्लभ पहुँचे, चैतन्य पहुँचे और इन सभी ने सामुदायिक खाइयों को पाटने का काम किया। हिन्दी की पाचनशक्ति अद्भुत है। इसमें दुनियाभर की भाषाओं के शब्द हैं और वे अतिथि शब्द नहीं है बल्कि आत्मसात कर लिए गए शब्द हैं। ऐसा दुनिया की कोई भाषा नहीं कर सकी। अंग्रेजी भी नहीं जिसकी सर्वाधिक ढुंगी हमारे देश में पीटी जाती है। अंग्रेजी से पहले वहाँ लैटिन और ग्रीक बोली जाती थी यही अभिजात्य वर्ग की भाषा थी। अंग्रेजी उस समय अभिजात्यों की नहीं हाशिए पर जी रहे गरीबों और मजदूरों की भाषा थी। उनके शब्द लिए गए मगर अंग्रेजी उन्हें आत्मसात नहीं कर पायी। जैसे जॉन कीट्स की एक कविता का शीर्षक है ला बेले डेम सैंस मर्सी यानि एक दयाहीन सुंदर महिला यह शीर्षक 15वीं शताब्दी का है। अंग्रेजी में यह कविता बेहद चर्चित है, जिसमें एक परो शूरवीर को सम्मोहित करके अप्रिय भाग्य का श्राप देती है। हिंदी सिर्फ एक भाषा ही नहीं भारत की संस्कृति है। यह उदार और निर्माणात्मक में सुन भर लीजिए तो हिन्दी स्मृति में बसने लगती है। हमारे यशस्वी और श्रद्धेय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की पंक्तियां हैं-आसमान में सिर उठाकर, घने बादलों को चीरकर, रोशनी का संकल्प लें, अभी तो सूरज उगा है। दृढ़ निश्चय के साथ चलकर, हर मुश्किल को पार कर,घोर अंधेरे को मिटाने, अभी तो सूरज उगा है। आज सूरदास कोलंबिया में, मीरा अमेरिका के कई बड़े विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जा रही है। जायसी पढ़ाए जा रहे हैं। हिन्दी का अर्थ ही नहीं शब्द-



शब्द श्लोक है। जो बोलते ही सूखे गेहूँ के दाने सा खनकता है। हिन्दी के निकट बैठकर महात्मा गांधी दिखाई देने लगते हैं अर्थात हर गरीब मन का दर्द जहाँ नव गीत में ढलने लगे वह हमारी भाषा है हिंदी। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का निरंतर प्रयास रहा है कि भारत की शिक्षा व्यवस्था भारतीय भाषाओं, भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय प्रतिभा की शक्ति के अनुरूप आगे बढ़े। लंबे समय तक अंग्रेजी को उच्च शिक्षा और विशेषकर चिकित्सा एवं तकनीकी शिक्षा का प्रमुख माध्यम माना जाता रहा। इसका परिणाम यह हुआ कि ग्रामीण, गरीब, किसान और सामान्य परिवारों से आने वाले अनेक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए उच्च स्तरीय शिक्षा तक पहुंच का मार्ग अपेक्षाकृत कठिन बना रहा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने शिक्षा में भारतीय भाषाओं के महत्व को नई दिशा दी। यह केवल भाषा परिवर्तन का विषय नहीं है बल्कि यह शिक्षा को अधिक समावेशी, सहज और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की व्यापक सोच का हिस्सा बना। प्रधानमंत्री जी के इसी संकल्प को धरातल पर उतारते हुए मध्यप्रदेश ने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल की। मुझे इस बात का गर्व है कि चिकित्सा शिक्षा मंत्री के रूप में कार्य करते हुए हम मध्यप्रदेश का नाम उस ऐतिहासिक उपलब्धि से जोड़ने में सफल रहे, जब मध्यप्रदेश ने हिन्दी माध्यम में एमबीबीएस की पढ़ाई प्रारंभ करने वाला देश का पहला राज्य होने का गौरव हासिल किया। यह केवल मध्यप्रदेश के लिए उपलब्धि नहीं थी बल्कि भारतीय भाषाओं के प्रति विश्वास को मजबूत करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम था। 16 अक्टूबर 2022 को ऐतिहासिक दिन जब भोपाल के लाल पोरड ग्राउंड में केंद्रीय गृह एवं सहाकरिता मंत्री श्री अमित शाह जी के करकमलों द्वारा एमबीबीएस प्रथम वर्ष की हिन्दी पुस्तकों का

विमोचन किया गया और हिंदी में मेडिकल शिक्षा के नए अध्याय का शुभारंभ हुआ। यह क्षण इसलिए भी ऐतिहासिक था क्योंकि पहली बार चिकित्सा जैसे अत्यंत तकनीकी और विशेषज्ञता वाले विषय में भारतीय भाषा को शिक्षा के प्रभावी माध्यम के रूप में बड़े स्तर पर स्थापित करने का प्रयास किया गया। हमारा उद्देश्य कभी यह नहीं रहा कि हिन्दी को अंग्रेजी के विरोध में खड़ा किया जाए। उद्देश्य यह है कि भाषा किसी विद्यार्थी की प्रतिभा के मार्ग में बाधा न बने। रोजमर्रा की जिंदगी में जिस भाषा में विद्यार्थी सोचता है, परिवार से संवाद करता है और अपने अनुभवों को समझता है, उसी भाषा में कठिन अवधारणाओं को समझना उसके लिए स्वाभाविक रूप से अधिक सहज हो सकता है। हिन्दी में एमबीबीएस का पाठ्यक्रम तैयार करना सामान्य अनुवाद का कार्य नहीं था। चिकित्सा विज्ञान की शब्दावली, अवधारणाओं और तकनीकी विषयों को विद्यार्थियों के लिए वैज्ञानिक रूप से सही, सहज और समझने योग्य रूप में प्रस्तुत करना एक बड़ी चुनौती थी। इसी उद्देश्य से चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत हिन्दी में एमबीबीएस पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए पृथक हिन्दी पाठ्यक्रम प्रकोष्ठ का गठन किया गया तथा विशेषज्ञों की उच्च स्तरीय टास्क फोर्स के माध्यम से कार्ययोजना तैयार की गई। चिकित्सा क्षेत्र के विशेषज्ञों की सहभागिता से पाठ्यक्रम और पुस्तकों को चरणबद्ध एवं व्यवस्थित रूप से तैयार करने का कार्य किया गया। हिन्दी पुस्तकों के रूपांतरण और चिकित्सा शिक्षा की इस पूरी प्रक्रिया को संस्थागत स्वरूप देने के लिए हिन्दी चिकित्सा प्रकोष्ठ 'मंदार' का विधिवत गठन किया गया। जिस प्रकार समुद्र मंथन से अमृत प्राप्त हुआ था, उसी प्रकार ज्ञान के मंथन, विशेषज्ञों के परिश्रम और संकल्प की साधना से 'मंदार' के माध्यम से चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक नया अमृत निकला। महीनों के

अथक परिश्रम, विशेषज्ञों के ज्ञान और मिशन मोड में किए गए कार्य के परिणामस्वरूप एमबीबीएस की पुस्तकों और पाठ्यक्रम को हिन्दी में उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। हिन्दी में चिकित्सा शिक्षा की शुरुआत केवल प्रथम वर्ष तक सीमित नहीं रही। प्रथम वर्ष की पुस्तकों के विमोचन के बाद हिन्दी चिकित्सा प्रकोष्ठ 'मंदार' में एमबीबीएस द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष की पुस्तकों के लिप्यंतरण एवं पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को भी आगे बढ़ाया गया। यह क्रम बताता है कि मध्यप्रदेश की पहल किसी प्रतीकात्मक कार्यक्रम तक सीमित नहीं थी। इसके पीछे एक व्यापक और दीर्घकालिक दृष्टि थी चिकित्सा शिक्षा को भारतीय भाषाओं में अधिक सुलभ बनाना। मध्यप्रदेश की इस पहल के बाद छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों ने भी हिन्दी में एमबीबीएस शिक्षा की दिशा में पहल की। हिन्दी में एमबीबीएस भारतीय भाषाओं के लिए एक सकारात्मक राष्ट्रीय आंदोलन की शुरुआत साबित हुई। आज देश के अन्य राज्य भी अपनी हिन्दी में चिकित्सा शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए मध्यप्रदेश से मार्गदर्शन ले रहे हैं। यह मध्यप्रदेश के लिए गौरव की बात है कि प्रदेश ने इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभाई। हिन्दी में एमबीबीएस की शुरुआत मेरे सार्वजनिक जीवन की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। यह मेरे लिए उस संकल्प की जीत है जिसमें गांव के बच्चे, गरीब परिवार के बच्चे और सामान्य पृष्ठभूमि से आने वाला विद्यार्थी भी डॉक्टर बनने का सपना पूरे आत्मविश्वास के साथ देख सके। आज जब हम राष्ट्रीय हिन्दी दिवस मना रहे हैं, तब हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं को केवल बोलचाल तक सीमित नहीं रखा जाएगा। उन्हें ज्ञान, विज्ञान, अनुसंधान, चिकित्सा, तकनीक और नवाचार की भाषाओं के रूप में भी निरंतर सशक्त बनाया जाएगा। मेरी भाषा, आपकी, हमारी और इस देश की भाषा अनहद राग है। इसकी संवेदना की गहराई और पवित्रता गैरिक वसना है। जैसे कबीर ने कहा है कि पिंजर प्रेम प्रकासिया, अंतरि भया उजास। मुखि कस्तूरी महमही, बाणी फूटी बास अर्थात् जब इस शरीर रूपी पिंजरे में प्रभु-प्रेम का दीपक जलता है, तो हृदय के भीतर का अंधकार मिट जाता है और पूरा अंतःकरण प्रकाशमान हो जाता है। इस दिव्य प्रेम के प्रभाव से साधक का मुख कस्तूरी की तरह महकने लगता है यानि उसके मुख और वाणी से केवल ईश्वर के नाम और प्रेम की सुगंध (पवित्र विचार) ही चारों तरफ बिखरने लगती है। आप सभी हिन्दी प्रेमियों और देशवासियों को राष्ट्रीय हिन्दी दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। लेखक मध्यप्रदेश के खेल एवं सहकारिता मंत्री हैं।





हमारी किडनी शरीर का एक बेहद अहम हिस्सा है

इसका मुख्य काम हमारे खून को साफ रखना, शरीर से हानिकारक तत्वों को बाहर निकालना और शरीर में पानी व तरल पदार्थों का बैलेंस बनाए रखना है। हालाँकि, सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि किडनी से जुड़ी ज्यादातर बीमारियां साइलेंट होती हैं। यानी शुरुआती दौर में ये कोई साफ संकेत या लक्षण नहीं देतीं। ऐसे में लोग अनजाने में इन शुरुआती बदलावों को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे आगे चलकर समस्या काफी गंभीर रूप ले सकती है। समय रहते शरीर के इन इशारों को समझना बहुत जरूरी है। आइए जानते हैं वो कौन से लक्षण हैं, जिन्हें देखकर आपको तुरंत सतर्क हो जाना चाहिए।

पेशाब के रंग में बदलाव

अगर आपको अचानक, खासकर रात के समय, बार-बार पेशाब जाना पड़ रहा है, तो इसे बिल्कुल हल्के में न लें। इसके अलावा, पेशाब का रंग गहरा होना, उसमें झाग आना या पेशाब करते समय जलन महसूस होना भी इस बात का सीधा इशारा है कि आपकी किडनी ठीक से अपना काम नहीं कर रही है।

शरीर के अंगों में बेवजह सूजन

जब किडनी खून को सही से फिल्टर नहीं कर पाती, तो शरीर में फालतू पानी और सोडियम जमा होने लगता है। इसकी वजह से आपके पैरों, टखनों, हाथों और चेहरे पर सूजन दिखने लगती है। अगर सुबह सोकर उठने पर आपको अपनी आंखों के आसपास सूजन नजर आए, तो यह किडनी की समस्या का एक बड़ा अलर्ट हो सकता है।

ह्र वक्त थकान और कमजोरी रहना

किडनी में गड़बड़ी होने पर शरीर से टॉक्सिन्स बाहर नहीं निकल पाते और खून में ही जमा होने लगते हैं। इन हानिकारक तत्वों के जमाव की वजह से व्यक्ति को हमेशा भारी थकान और कमजोरी का अहसास होता रहता है।



भूख कम लगना और जी मिचलाना

शरीर में टॉक्सिन्स के बढ़ने का बुरा असर हमारे पाचन तंत्र पर भी पड़ता है। अगर आपकी भूख

अचानक कम हो गई है, उल्टी या जी मिचलाने की शिकायत है, या फिर आपके मुंह का स्वाद अजीब सा हो गया है, तो यह किडनी के अस्वस्थ होने का संकेत हो सकता है।

रिक्त का रूखा होना और सुखली मचना

जब हानिकारक तत्व शरीर से बाहर नहीं निकल पाते, तो वे खून में ही इकट्ठे होने लगते हैं। इसका सीधा असर

आपकी त्वचा पर दिखता है। इससे स्किन रूखी हो जाती है और खुजली व जलन की समस्या शुरू हो जाती है। कई बार इस वजह से त्वचा का रंग भी फीका पड़ने लगता है।

सांस लेने में परेशानी होना

किडनी के खराब होने की स्थिति में शरीर में जो अतिरिक्त पानी जमा होता है, वह कई बार फेफड़ों तक भी पहुंच जाता है। इससे सांस लेने में काफी कठिनाई महसूस होने लगती है। इसके अलावा, किडनी की समस्या से होने वाला एनीमिया भी सांस फूलने का एक बड़ा कारण बन सकता है।

कमर के निचले हिस्से में दर्द

अगर आपकी कमर के निचले हिस्से या साइड में लगातार दर्द बना रहता है, तो इसे इग्नोर न करें। यह किडनी स्टोन या किडनी में किसी इन्फेक्शन का लक्षण हो सकता है। कई मामलों में यह दर्द बहुत तेज और असहनीय भी हो सकता है।

किडनी को हमेशा स्वस्थ रखने के आसान उपाय

अपनी किडनी को इन गंभीर बीमारियों से बचाने और एकदम फिट रखने के लिए आप अपनी दिनचर्या में कुछ आसान बदलाव कर सकते हैं-

- खूब पानी पिएं: दिन भर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना किडनी को डिटॉक्स करने का सबसे अच्छा तरीका है।
- हेल्दी डाइट लें: हमेशा एक संतुलित आहार लें। खाने में नमक की मात्रा कम रखें और प्रोसेस्ड फूड्स से दूरी बनाएं।
- नियमित जांच कराएं: समय-समय पर अपना ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर जरूर चेक कराते रहें, क्योंकि हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज किडनी रोगों के सबसे प्रमुख कारण माने जाते हैं।

सेहतमंद रहने के लिए 6-8 घंटे की नींद है जरूरी



आजकल की लाइफस्टाइल में नींद से समझौता करना आम बात हो गई है। कुछ लोग 4-5 घंटे की नींद लेते हैं, तो वहीं कुछ ऐसे भी हैं, जो 10-12 घंटे की नींद भी ले रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कम या ज्यादा सोना आपकी उम्र को तेजी से बढ़ा सकता है? जी हां, लगभग 5 लाख लोगों पर की गई एक स्टडी में सामने आया है कि जरूरत से ज्यादा या कम सोना बायोर्लॉजिकल एज को तेजी से बढ़ाने और समय से पहले मौत के खतरे से जुड़ा हो सकता है। इसलिए आप कितनी देर सो रहे हैं, इस पर ध्यान देना जरूरी है। आइए जानें इस बारे में और भी कुछ बातें।

सेहत और नींद के घंटे

रिसर्च के मुताबिक, 6 घंटे से कम सोने वाले लोगों में किसी भी कारण से मौत का जोखिम 50% ज्यादा देखा गया। वहीं, 6-8 घंटे सोने वालों की तुलना में आठ घंटे से ज्यादा सोने वालों में यह खतरा 40% पाया गया। शरीर के अंगों और लिंग के हिसाब से बायोर्लॉजिक एज में सबसे कम अंतर 6.4 से 7.8 घंटे के बीच

देखी गई। इस स्टडी के मुताबिक, महिलाओं के लिए 6.5 से 7.8 घंटे की नींद और पुरुषों के लिए 6.4 से 7.7 घंटे की नींद सबसे बेहतर पाई गई और इसका असर दिल, दिमाग, लिवर, इम्यून सिस्टम, स्किन, एंडोक्राइन सिस्टम, फेट टिशू और पैन्क्रियाज पर साफ देखा गया। हालाँकि, ये स्टडी सीधे तौर पर ये साबित नहीं करती है कि नींद की कमी या ज्यादा सोना समय से पहले मौत या उम्र बढ़ने का कारण बनती है।

दक्षिण एशियाई शहरों का हाल

दिल्ली, चेन्नई और कराची के 16,287 वयस्कों पर की गई एक स्टडी में लोगों के नींद के पैटर्न को लेकर कुछ चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। एक वयस्क को औसत 7.3 घंटे की नींद चाहिए होती है। हालाँकि, इस स्टडी में 5.5% ऐसे लोग थे, जो 5 घंटे से कम सो रहे थे, 12.4% नौ घंटे से ज्यादा सोने वाले थे, 12% वयस्क इनसोमनिया की समस्या से जूझ रहे थे और 14.5% लोगों को खरोंटे की शिकायत थी।

नींद की गुणवत्ता भी जरूरी

आप कितनी देर सोते हैं, सिर्फ उस पर ध्यान देना काफी नहीं है। आपकी नींद कितनी गहरी है और कंसीस्टेंसी भी उतनी ही जरूरी है। हर व्यक्ति के लिए सोने का कोई एक सही नंबर नहीं होता। लगातार 6 घंटे से कम सोना या बहुत ज्यादा सोना, इस बात का संकेत हो सकता है कि आपकी नींद की गुणवत्ता बेहतर न हो, आपके शरीर को तरोताजा महसूस न हो रहा हो या आपको कोई अंदरूनी बीमारी है। ऐसी स्थिति दिल और मेटाबॉलिज्म से जुड़े खतरों को बढ़ा सकती है।

बीमारियों से कनेक्शन

अच्छी नींद और भविष्य में बीमारियों के जोखिम के बीच कुछ अहम कनेक्शन पाए गए हैं। कम सोने से मेटल हेल्थ, मेटाबॉलिज्म, दिल, लंग्स और डाइजेशन से जुड़ी बीमारियों पर असर पड़ता है। वहीं, नींद में खलल या बिगड़ा हुआ बाँडी क्लॉक शरीर में सूजन, हार्मोनल इंबैलेंस और टिशू की मरम्मत की प्रक्रिया को प्रभावित करता है।

सनसेट और सनराइज का नजारा दिमाग को रोजाना स्ट्रेस और एंजायटी से राहत पहुंचाता है

प्रकृति की खूबसूरती का आनंद लेने के लिए सनराइज या सनसेट का नजारा सबसे बेहतरीन माना जाता है। इस खूबसूरत नजारे को देखकर लोगों को काफी सुकून का एहसास होता है। आसमान में बिखरे लाल और नारंगी रंग हमारी आंखों को तो सुकून देते ही हैं, साथ ही हमारी मेंटल हेल्थ के लि भी काफी फायदेमंद होते हैं। ढलते सूरज को देखने से हमारे दिमाग पर जो असर होता है, उसे सनसेट ऑ कहा जाता है। इस इफेक्ट से हमारे दिमाग पर कई पॉजिटिव असर होते हैं। आइए जानें कैसे डूबते सूरज को देखना हमारी मेंटल हेल्थ के लिए फायदेमंद है।

स्ट्रेस और एंजायटी से राहत

कई स्टडीज में यह साबित हो चुका है कि डूबते या उगते हुए सूरज को देखने से हमारे अंदर आं यानी हैरान होने वाली भावना पैदा होती है। इस भावना से हमारे मन को शांति मिलती है और स्ट्रेस और एंजायटी से भी राहत मिलती है। अगर नियमित रूप से इस आँ इफेक्ट को महसूस किया जाए, तो स्ट्रेस और एंजायटी को लंबे समय के लिए कम किया जा सकता है।

याददाश्त में सुधार

सनसेट और सनराइज का नजारा दिमाग को रोजाना की भागदौड़ और मानसिक थकान से ब्रेक देता है। जब दिमाग शांत होता है, तो हमारी क्रिएटिविटी बढ़ती है और इनफॉर्मेशन स्टोर करने की क्षमता में भी काफी सुधार होता है। इसके अलावा, स्ट्रेस कम होने से फोकस भी बढ़ता है।

शरीर में सूजन कम होती है

जब हम सनसेट जैसा नजारा देखते हैं, तो हमें खुशी का एहसास होता है। इससे साइटोकाइन्स का लेवल कम होता है। साइटोकाइन इन्फ्लेमेशन मार्कर होते हैं। इसलिए इनका स्तर कम होने से सूजन कम होती है और डायबिटीज और दिल की बीमारियों का जोखिम कम होता है।



सर्कैडियन रिदम में सुधार

सुबह उगते सूरज को देखना और शाम को सनसेट का नजारा देखना हमारे शरीर के बायोर्लॉजिकल क्लॉक को भी सेट करता है। इससे रात के समय मेलाटोनिन सही मात्रा में रिलीज होता है और बेहतर नींद आती है। इसके कारण सुबह उठने का समय भी सही फिक्स होता है और स्लीप साइकिल में सुधार

होता है।

माइंडफुलनेस

सनराइज या सनसेट का नजारा हमें वर्तमान के पलों से जोड़ता है। हमारा दिमाग शांत होता है, हम पुरानी बातों या भविष्य की चिंता को कुछ समय के लिए भूल जाते हैं और उस नजारे पर फोकस करते हैं। इससे माइंडफुलनेस बढ़ती है।

शरीर में बदलावों का हो सकता है इशारा

सुबह तकिए पर टपकती लार को मत समझिए मामूली क्या सुबह उठने पर आपको अक्सर अपना तकिया गोला मिलता है? जी हां, सोते समय मुंह से लार का टपकना एक ऐसी चीज है जिसे हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं या फिर इस पर बात करने से झिझकते हैं। छोटे बच्चों में तो यह एकदम आम बात है, लेकिन अगर बड़ों में यह समस्या अचानक बढ़ जाए, तो यह शरीर में हो रहे किसी बदलाव का संकेत भी हो सकता है।

लार टपकने के पीछे आखिर क्या वजह है?

मुंह में जरूरत से ज्यादा थूक बनना, निगलने में दिक्कत होना या मुंह की मांसपेशियों पर कंट्रोल न होना इसके मुख्य कारण हैं। इसके अलावा भी कई ऐसी चीजें हैं जो लार बनने की प्रक्रिया को तेज करती हैं :

- उम्र और खानपान : दो साल तक के बच्चों में यह बेहद आम है, खासकर जब 3 से 6 महीने के बीच दांत निकल रहे हों। वहीं, ज्यादा खट्टी या बहुत मीठी चीजें खाने से भी मुंह में ज्यादा लार बनती है।
- दिमाग और नसों से जुड़ी बीमारियां : पार्किंसंस, स्ट्रोक, सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म, मल्टीपल स्केलेरोसिस और एएलएस जैसी न्यूरोलॉजिकल बीमारियों में यह समस्या काफी देखी जाती है।
- संक्रमण और अन्य बीमारियां : गले का इन्फेक्शन, साइनस, टॉन्सिलिटिस, एलर्जी, क्राॅनिक एसिड रिफ्लक्स या गर्भावस्था के दौरान मतली के कारण भी ऐसा हो सकता है।
- कुछ खास कारण : कौड़े या सांप का काटना, कुछ विशेष दवाइयों का सेवन, सूजे हुए एंडोक्राइड्स या कोटाशाक के संपर्क में आना।



रात को सोते समय ही क्यों टपकती है लार?

इसका सीधा संबंध आपके सोने के तरीके से है। जब

आप पीठ के बल सीधे सोते हैं, तो गुरुत्वाकर्षण के कारण लार मुंह में ही रुक जाती है। हालाँकि, अगर आप करवट लेकर या पेट के बल सोते हैं, तो लार आसानी से बाहर

बहने लगती है। अगर आप हमेशा से करवट लेकर सोते आए हैं और यह समस्या हाल ही में शुरू हुई है, तो यह एलर्जी या एसिड रिफ्लक्स का इशारा हो सकता है।

व्या हैं इसे नजरअंदाज करने के नुकसान?

लंबे समय तक इस परेशानी को अनदेखा करना ठीक नहीं है। अत्यधिक लार से मुंह के कोनों की त्वचा फट सकती है और वहां दर्दनाक घाव बन सकते हैं। सबसे बड़ा खतरा तब होता है जब यह एक्स्ट्रा थूक सांस की नली से फेफड़ों में चला जाए, क्योंकि इससे निमोनिया होने का डर रहता है।

व्या हैं इससे छुटकारा पाने के उपाय?

- घरेलू तरीके : दांत निकलने से परेशान बच्चों को चबावे के लिए ठंडी चीजें दे सकते हैं। बड़े लोग अपनी डाइट में खट्टे और मोटे खाने को कम कर सकते हैं।
 - दवाइयां और इंजेक्शन : थूक कम करने वाली दवाइयां या लार ग्रंथियों में बोटॉक्स इंजेक्शन काफी मददगार साबित होते हैं।
 - थेरेपी : ओरल मसल्स को मजबूत बनाने के लिए मोटर थेरेपी या निगलते समय होंठों को सही से बंद करने के लिए ओरल एप्लायंस थेरेपी दी जाती है।
 - सर्जरी और रेडिएशन : अगर कोई तरीका काम न आए, तो डॉक्टर सर्जरी के जरिए लार ग्रंथियों को क्लिप करने या नलियों की दिशा मोड़ने की सलाह दे सकते हैं। बहुत गंभीर मामलों में आखिरी विकल्प के रूप में रेडिएशन थेरेपी का इस्तेमाल भी किया जाता है।
- अगर लार टपकने की वजह से आपको लोगों के सामने शर्मिंदगी उठानी पड़ रही है या यह आपकी रोजमर्रा की ज़िंदगी को प्रभावित कर रहा है, तो डॉक्टर से जरूर मिलें।



संक्षिप्त समाचार

नेपाल के मुगु जिले में ढाई घंटे के अंतराल में दो बार आया भूकंप, 4.5 और 4.2 रहीं तीव्रता

काठमांडू। नेपाल के मुगु जिले को केंद्र बनाकर बुधवार तड़के करीब ढाई घंटे के अंतराल में दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप मापन एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, मुगु के काले क्षेत्र को केंद्रबिंदु बनाकर रात 1 बजकर 51 मिनट पर 4.5 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद सुबह 4 बजकर 28 मिनट पर उसी स्थान के आसपास 4.2 तीव्रता का दूसरा भूकंप दर्ज किया गया। केंद्र के वरिष्ठ भूकंपविद् डॉ. लोकविजय अधिकारी ने बताया कि दोनों भूकंपों के बीच करीब ढाई घंटे का अंतर था। उन्होंने कहा कि 4.5 और 4.2 तीव्रता के भूकंप से आमतौर पर बड़ी क्षति की संभावना कम होती है, लेकिन लोगों को सतर्क रहना जरूरी है। अधिकारी के अनुसार, हर बड़े भूकंप के बाद पराकंप (आफ्टरशॉक) आते हैं। 4 तीव्रता का भूकंप आने वाले क्षेत्र में भी इसके बाद 3, 2 और 1 तीव्रता के कई छोटे भूकंप आ सकते हैं। उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह मुस्तांग जिले में आए भूकंप के बाद अब तक करीब 20 से 22 परकंप दर्ज किए जा चुके हैं। गौरतलब है कि, बीते 8 सितंबर की रात 9ऽ33 बजे मुस्तांग में 5.3 तीव्रता का भूकंप आया था। इसके झटके काठमांडू में भी महसूस किए गए थे।

होर्मुज जलडमरूमध्य में शिपिंग में रुकावट से दुनिया भर में उर्वरक की कमी

माँस्को (रिया नोवोस्ती)। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध के कारण समुद्री यातायात बाधित होने के कारण विश्व भर में उर्वरक की कमी हो रही है और इसके फलस्वरूप ऊर्जा क्षेत्र सहित पूरे बाजार की स्थिति को चिंताजनक हो गयी है। एफएओ के रूसी संघ स्थित संपर्क कार्यालय के निदेशक ओलेग कोबियाकोव ने रिया नोवोस्ती से बातचीत में कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही में रुकावट के कारण दुनिया भर में उर्वरक की कमी हो रही है और बाजार की स्थिति खराब हो रही है, जिसमें ऊर्जा क्षेत्र भी शामिल है। कोबियाकोव ने कहा, होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही में रुकावट के कारण दुनिया भर में उर्वरक की कमी हो रही है, जिससे उर्वरक बाजार में स्थिति बिगड़ रही है और ऊर्जा की कीमतें बढ़ रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि ईरान से जुड़ा संकट अब कुछ समय के लिए भड़के तनाव से बदलकर एक लंबी चलने वाली बड़ी समस्या बन गया है। 28 फरवरी को, अमेरिका और इजराइल ने ईरान में ठिकानों पर हमले शुरू किए, जिसके जवाब में ईरान की तरफ से भी हमले किए गए। जून के मध्य में, तेहरान और वाशिंगटन ने लड़ाई रोकने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, हालांकि बाद में उन्होंने फिर से एक-दूसरे पर हमले किए। फिलहाल, यह संघर्ष सुलझा नहीं है। संघर्ष बढ़ने के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही लगभग ठप हो गई है। यह तेल, पेट्रोलियम उत्पादों और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के वैश्विक बाजार के लिए एक अहम सप्लाई रूट है। नतीजतन, दुनिया भर के ज्वादातर देशों में ईंधन की कीमतें बढ़ गई हैं। ब्रिटेन के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन में शामिल होगा कनाडा वॉशिंगटन, 17 सितंबर (हि.स.)। कनाडा ने ब्रिटेन के नेतृत्व वाले जॉइंट एक्सपेडिशनरी फोर्स (जेईएफ्) में शामिल होने के लिए औपचारिक रूप से आवेदन किया है। इसे कनाडा और ब्रिटेन समेत यूरोपीय सहयोगी देशों के बीच रखा एवं सैन्य सहयोग बढ़ाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। के मुताबिक, कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के कार्यालय ने बुधवार को बताया कि कार्नी ने जेईएफ् में शामिल होने के लिए आवेदन की घोषणा की और इस पहल में कनाडा की भागीदारी के लिए ब्रिटेन के समर्थन का स्वागत किया। यह घोषणा ब्रिटेन में कार्नी और ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम की मुलाकात के बाद हुई। दोनों नेताओं ने कनाडा और ब्रिटेन के बीच लंबे समय से चले आ रहे तणा संबंधों की और मजबूत करने पर चर्चा की। जेईएफ् में फिलहाल डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, आइसलैंड, लातविया, लिथुआनिया, नीदरलैंड, नॉर्वे, स्वीडन और ब्रिटेन शामिल हैं। यह गठबंधन मुख्य रूप से उत्तरी यूरोप और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा एवं सैन्य सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित है।

नेपाल में आई बाढ़ में बहने से 191

वाहन और 344 लोग लापता

काठमांडू। नेपाल के रसुवा जिले में 26 अगस्त को भोटेकोशी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ से नेपाल यातायात व्यवसायी राष्ट्रीय महासंघ के अंतर्गत आने वाले 191 वाहन यातायात प्राइवेट लिमिटेड हैं। बाढ़ में इन वाहनों के चालक, सहचालक और यात्रियों समेत 344 लोग लापता हैं। महासंघ के महासचिव डेकनाथ गौतम के अनुसार, बाढ़ से देशभर की नौ यातायात कंपनियों के वाहन प्रभावित हुए हैं। नेपाल अरनिको यातायात सेवा प्राइवेट लिमिटेड की 19 बस, एक मिनीट्रक, दो जीप और चार कंटेनर बाढ़ में बह गए हैं, जबकि 50 मजदूर लापता हैं। इसी तरह पसाइल्व्हाम यातायात प्राइवेट लिमिटेड, बालाजु की 19 बसें और 21 लोग लापता हैं। भक्तपुर न्यू विजन यातायात प्राइवेट लिमिटेड के दो कंटेनर मलबे में दबने से दो चालक लापता हैं। हिमालयन यातायात कंपनी के चार ट्रक, 16 कंटेनर और एक सुपी वाहन बह गए हैं और 10 चालक लापता हैं। वहीं, नेपाल टिपर तथा ट्रक व्यवसायी समिति के सात टिपर, 22 कंटेनर, 23 ट्रक और एक ट्रैलर बाढ़ के मलबे में दब गए हैं, जबकि 45 चालक लापता हैं। नारायणी यातायात व्यवसायी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के 59 ट्रक और कंटेनर बह गए हैं तथा 70 लोग लापता हैं। नेपाल माइक्रो कंपनी की 9 माइक्रोबस भी बाढ़ की चपेट में आई हैं। इसी तरह पृथ्वी राजमार्ग संचालक कंपनी की एक बस क्षतिग्रस्त होने से एक चालक और 22 यात्री लापता हैं। धादिंग यातायात प्राइवेट लिमिटेड की एक बस के बह जाने से इसमें सवार एक चालक और 25 तीर्थयात्री लापता बताए गए हैं।

करीब 5 हजार रोहिंग्याओं की वापसी को मंजूरी, म्यांमार से बातचीत करेंगे मलेशियाई पीएम

कुआलालंपुर। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने बुधवार को कहा कि वह म्यांमार के सैन्य शासन के प्रमुख से राष्ट्रपति बने मिन आंग ह्लाइंग को आधिकारिक यात्रा के लिए आमंत्रित करेंगे। इस दौरान मलेशिया हजारों रोहिंग्या शरणार्थियों की म्यांमार वापसी को मुद्दे पर बातचीत करेगा। अनवर ने कहा कि मलेशिया और म्यांमार की मौजूदा सरकार को औपचारिक मान्यता देने के लिए तैयार नहीं हैं, लेकिन शरणार्थियों की वापसी जैसे मुद्दों पर बातचीत के लिए म्यांमार के साथ संवाद जरूरी है। उन्होंने कहा कि कूटनीतिक बातचीत के जरिए ही रोहिंग्या शरणार्थियों की सुरक्षित और चरणबद्ध वापसी का रास्ता निकाला जा सकता है। अनवर के मुताबिक, म्यांमार ने करीब 5,000 शरणार्थियों की वापसी को मंजूरी दी है। उनकी वापसी का खर्च मलेशिया उठाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि शुरुआती चरण के बाद अन्य शरणार्थियों की वापसी भी चरणबद्ध तरीके से संभव होगी। मलेशिया ने इससे पहले कहा था कि स्वीच्छिक वापसी कार्यक्रम के पहले चरण के तहत सितंबर में करीब 1,500 म्यांमार शरणार्थियों को वापस भेजने की योजना है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर) के अनुसार, म्यांमार लौटना रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए अभी सुरक्षित नहीं माना जाता। मिन आंग ह्लाइंग ने 2021 के सैन्य तख्तापलट के बाद सत्ता संभाली थी। अप्रैल में राष्ट्रपति बनने के बाद से वह विदेश यात्राओं और आधिकारिक दौरों के जरिए अपनी सरकार के लिए अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। अनवर ने कहा कि मलेशिया पहले म्यांमार की सैन्य सरकार का मुखर आलोचक रहा है और संघर्ष रोकने से इनकार करने पर उसने कई बार निराशा जताई है।



संयुक्त राष्ट्र को अमेरिका से 72.5 करोड़ डॉलर मिले, 2027 में मतदान अधिकार सुरक्षित

न्यायार्क। अमेरिकी प्रशासन ने संयुक्त राष्ट्र (यूपन) के नियमित बजट में 72.5 करोड़ डॉलर का भुगतान किया है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इस भुगतान से अमेरिका का बकाया कम हुआ है और वर्ष 2027 में महासभा में उसके मतदान अधिकार पर तत्काल मंंडा रहा खराब भी टल गया है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता फरहान हक ने बुधवार को बताया कि अमेरिका ने नियमित बजट के लिए 72.5 करोड़ डॉलर का भुगतान किया। इससे पहले शुक्रवार को अमेरिका ने शांति अभियानों के लिए भी 10.2 करोड़ डॉलर का भुगतान किया था। हक के मुताबिक, भुगतान के बाद भी अमेरिका पर संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट का करीब 1.312 अरब डॉलर बकाया है। हालांकि, उन्होंने

नेपाल के वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वाग्ले तीन दिवसीय भारत दौरे पर दिल्ली पहुंचे

काठमांडू। नेपाल के वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वाग्ले तीन दिवसीय भारत दौरे के लिए गुरुवार सुबह नई दिल्ली पहुंचे हैं। भारत सरकार के निमंत्रण पर वाग्ले सुबह 7ऽ35 बजे की उड़ान से काठमांडू से दिल्ली पहुंचे। वाग्ले की भारत यात्रा का मुख्य उद्देश्य आपदा के बाद पुनर्निर्माण सहित दोनों देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक और कूटनीतिक सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करना है। उनके सचिवालय के अनुसार, यात्रा के दौरान द्विपक्षीय सहयोग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर बातचीत होगी। वाग्ले गुरुवार शाम 5 बजे भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात करेंगे। शुक्रवार सुबह वह भारत के पूर्व विदेश सचिव श्याम शरण द्वारा आयोजित उच्चस्तरिय कूटनीतिक संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। शुक्रवार शाम 5 बजे उनकी भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से भी मुलाकात निर्धारित है। शुक्रवार शाम 7ऽ30 बजे वाग्ले भारत व्यापार संवर्धन संगठन के अध्यक्ष जावेद अशरफ द्वारा आयोजित व्यापक बैठक में शामिल होंगे। शनिवार सुबह 9ऽ30 बजे भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित औद्योगिक घरानों के सम्मेलन में वह मुख्य वक्ता के रूप में हिस्सा लेंगे।



मांग की है। सम्मेलन से पहले जारी आईएईए की सेफगार्ड्स रिपोर्ट में उत्तर कोरिया की यूरेनियम संवर्धन क्षमता में बढ़ोतरी और प्रमुख परमाणु सुविधाओं के

विस्तार का भी उल्लेख किया गया था। किम यो-जोंग ने इन मांगों को खारिज करते हुए कहा कि आईएईए और पश्चिमी देशों की बैठकों तथा परमाणु निरस्त्रीकरण की मांगों



यूक्रेन में रूसी हवाई हमले के बाद घरों में लगी आग को बुझाते हुए दमकलकर्मी।

नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने विदेश सचिव से की विदाई मुलाकात

काठमांडू। नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने बुधवार को विदेश सचिव अमृत बहादुर राई से विदाई मुलाकात की। राजदूत श्रीवास्तव ने बुधवार को विदेश मंत्रालय पहुंचकर विदेश सचिव राई से मुलाकात की। इस दौरान विदेश सचिव राई ने नेपाल-भारत संबंधों को और मजबूत बनाने में राजदूत श्रीवास्तव के योगदान की सरहना की। उन्होंने ऊर्जा, सीमा-पार बुनियादी ढांचे और दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हासिल करने में राजदूत श्रीवास्तव की सक्रिय भूमिका की भी प्रशंसा की। इस मौके पर भारतीय दूतावास के उपप्रमुख डा राकेश पांडे और राजनीतिक विभाग की द्वितीय सचिव गरिमा नौटियाल की भी उपस्थिति थी।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद की उम्मीदवार, रूस- यूक्रेन के बीच सीधी बातचीत की पक्षधर

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद की उम्मीदवार कैरोलिन रोड्रिग्स-बर्केट ने कहा कि अगर वह चुनी जाती हैं, तो शांति की दिशा में काम करने के लिए रूस और यूक्रेन के बीच सीधी बातचीत की पक्षधर हैं। रोड्रिग्स-बर्केट ने रियानोवोस्ती को बताया, जैसा कि मैंने कई मौकों पर कहा है, मैं अधिकारियों से बात करने में नहीं हिचकिचाऊंगी – चाहे वे यूक्रेन में हों, रूस में हों या किसी अन्य संघर्ष में शामिल हों – मेरा मकसद हमेशा शांति की दिशा में काम करना होगा।

उनकी राय है कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव को एक निष्पक्ष मध्यस्थ के तौर पर काम करना चाहिए और न केवल संघर्ष में शामिल सभी पक्षों से बात करनी चाहिए, बल्कि इसे होने से रोकने की कोशिश भी करनी चाहिए। फिलहाल,

संयुक्तराष्ट्र के इस शीर्ष पद के लिए आठ उम्मीदवार हैं। इनमें इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी के डायरेक्टर जनरल राफेल ग्रॉसी, युगांडा के पूर्व विदेश मंत्री ओलारा ओटुनू और सेनेगल के पूर्व राष्ट्रपति मैकी साल शामिल हैं। फिलहा उम्मीदवारों में चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बाचेलेट, इकाडोर की पूर्व विदेश मंत्री मारिया फर्नांडा एस्पिनोसा, इकाडोर की राजनयिक इवोन ए-बाकी, संयुक्तराष्ट्रकांफ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलपमेंट की महासचिव रेबेका ग्रिनस्पैन, गुयाना की पूर्व विदेश मंत्री कैरोलिन रोड्रिग्स-बर्केट और बच्चों और सशस्त्र संघर्ष के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव की विशेष प्रतिनिधि वर्जीनिया गैम्बा शामिल हैं। मौजूदा संयुक्तराष्ट्रप्रमुख एंटोनियो गुटेरेस का दूसरा और आखिरी कार्यकाल 31 दिसंबर को खत्म होगा।

क्षेत्रीय तनाव के बीच ईरानी राष्ट्रपति ने कहा- पड़ोसियों के साथ विवाद सुलझाने को तैयार

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा है कि उनका देश अपने पड़ोसी देशों के साथ बातचीत, आपसी समझ और सम्मान के जरिए मतभेदों को सुलझाने के लिए तैयार है। उन्होंने क्षेत्रीय देशों से सहयोग बढ़ाने और अस्थिरता के कारणों को कम करने का आह्वान किया। ईरान सरकार की अंतरराष्ट्रीय समाचार नेटवर्क प्रेस टीवी

डब्ल्यूसीपीएल में खेलने से भारतीय महिला क्रिकेटरों को मिलेगा बड़ा अनुभव: झूलन गोस्वामी



बारबाडोस। भारतीय महिला क्रिकेटरों के लिए महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूसीपीएल) में खेलना विदेशी परिस्थितियों को समझने और अपने खेल को बेहतर बनाने का महत्वपूर्ण अनुभव है। त्रिनबागो नाइट राइडर्स महिला टीम की मुख्य कोच और पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने कहा कि घरेलू माहौल से बाहर निकलकर अलग परिस्थितियों में खेलने से खिलाड़ियों को भविष्य में बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलेगी। डब्ल्यूसीपीएल में भारतीय खिलाड़ियों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। जेमिमा रॉड्रिग्स

भारतीय फुटबॉलर दलिमा छिब्बर नोवा स्पोर्ट्स से जुड़ीं, युवा महिला खिलाड़ियों के विकास की संभालेंगी जिम्मेदारी

मुंबई। भारतीय राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टीम की खिलाड़ी दलिमा छिब्बर नोवा स्पोर्ट्स से जुड़ गई हैं। उन्हें फुटबॉल क्लब और प्लेयर पाथवे लीड की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह नोवा फुटबॉल अकादमी के पाठ्यक्रम, खिलाड़ियों के विकास की प्रक्रिया और एथलीट मेंटरशिप कार्यक्रम को तैयार करने में सक्रिय भूमिका निभाएंगी। दलिमा खिलाड़ियों, कोचों और अभिभावकों के लिए संपर्क सूत्र के रूप में भी काम करेंगी। इसके अलावा वह कैमरे के सामने और बाहर नोवा स्पोर्ट्स के ब्रांड का प्रतिनिधित्व करेंगी। उनकी भूमिका में फुटबॉल के व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में योगदान देना भी शामिल है। इसमें कोचों को जोड़ना, उनका प्रशिक्षण और विकास तथा विश्वैष रूप से महिला कोचों की पहचान और उन्हें आगे बढ़ाने पर ध्यान दिया जाएगा। दलिमा खिलाड़ियों के विकास के अलग-अलग चरणों में सहयोग करने वाली व्यवस्थाएं तैयार करने में भी योगदान देंगी। नोवा स्पोर्ट्स के साथ जुड़ने पर दलिमा ने कहा, खिलाड़ियों और महिला फुटबॉलरों के रूप में हम लंबे

समय से अधिक व्यवस्थित व्यवस्था और खेल को आगे बढ़ाने में मदद करने वाले लोगों की मांग कर रहे हैं। कैप्री स्पोर्ट्स को आगे आकर यह पहल करते देखा उत्साहजनक है। महिला फुटबॉल में काफी संभावनाएं हैं और मैं इस राह को तैयार करने का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, मैं एक खिलाड़ी और खेल मनोवैज्ञानिक के रूप में अपने अनुभव तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुभव को नोवा स्पोर्ट्स के कार्यक्रम और फुटबॉल पाठ्यक्रम को तैयार करने में लगाने के लिए उत्साहित हूं। किसी खिलाड़ी का विकास सिर्फ उसे गेंद को किक करना सिखाने तक सीमित नहीं है। एक खिलाड़ी के संपूर्ण विकास के लिए बहुत कुछ जरूरी होता है। दलिमा ने कहा कि फुटबॉल मानसिक और शारीरिक दोनों तरह की तैयारी मांगता है तथा सही मार्गदर्शन, पोषण और सहयोग भी जरूरी है। उन्होंने कहा, मेरी भूमिका खिलाड़ियों के विकास की राह और उसकी सोच को तैयार करने के साथ ऐसी व्यवस्था बनाना भी है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक

राष्ट्रीय गरिमा



राष्ट्र एक वगीचा है और हम सब इसके माली

नोवाक जोकोविच ने चाइना ओपन में खेलने की पुष्टि की, 11 साल बाद बीजिंग लौटेंगे



बीजिंग। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने आगामी चाइना ओपन में हिस्सा लेने की पुष्टि कर दी है। एटीपी-500 टूर्नामेंट का आयोजन बीजिंग में 28 सितंबर से 6 अक्टूबर तक किया जाएगा। जोकोविच ने बुधवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मैं कई वर्षों बाद बीजिंग में चाइना ओपन खेलने के लिए वापस आ रहा हूं। 39 वर्षीय जोकोविच 11 साल बाद इस टूर्नामेंट में वापसी करेंगे। चाइना ओपन में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर और हाल में यूएस ओपन का खिताब जीतने वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव

भी हिस्सा लेंगे। जोकोविच ने कहा, मैं आप सभी के सामने नेशनल टेनिस सेंटर में वापस आकर खेलने के लिए उत्साहित हूं। यह टेनिस की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। मेरे करियर में इस स्थान से जुड़ी कई शानदार यादें और बड़ी सफलताएं रही हैं। जोकोविच के लिए यह टूर्नामेंट अमेरिकी ओपन में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद वापसी का मौका होगा। उन्हें अमेरिकी ओपन के पहले दौर में मारियानो नवोने के हाथों चौंकाने वाली हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद वह आठ साल में पहली बार एटीपी की शीर्ष-10 रैंकिंग से बाहर हो गए थे।

मेसी के गोल और असिस्ट से इंटर मियामी ने कैम्पेओनेस कप का खिताब जीता

मियामी।लियोनेल मेसी के गोल और असिस्ट की बदौलत इंटर मियामी ने बुधवार को क्लब अंजुल को 2-0 से हराकर पहली बार कैम्पेओनेस कप का खिताब जीत लिया। यह मुकाबला मेजर लीग सॉकर और मैक्सिकन लीगा एमएक्स के चैंपियन के बीच खेला जाता है। इंटर मियामी के लिए यह कैम्पेओनेस कप में पहली खिताबी जीत है। वहीं, टीम के नए मुख्य कोच क्रिस्टियन किली गोंजालेज के कार्यकाल का भी यह पहला मुकाबला था। मेसी ने बेहतरीन हेडर के जरिए इंटर मियामी को बढ़त दिलाई। छोटे कद के अर्जेंटीनी स्टार ने लुइस सुआरेज के क्रॉस पर विलर डिट्टा के ऊपर छलांग लगाकर शानदार हेडर से गेंद को गोल में पहुंचाया। मेसी ने इसके बाद खुद दूसरा गोल करने की कोशिश की। सुआरेज के पास पर आगे बढ़ते हुए उन्होंने गेंद को गोल में डाल दिया, लेकिन उन्हें ऑफसाइड करार दिया गया। हालांकि, मेसी ने कुछ ही देर बाद दूसरे गोल में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कार्रर से शानदार गेंद भेजी, जिस पर कारसेमिरो ने हेडर के जरिए गोल कर इंटर मियामी की बढ़त 2-0 कर दी। यह कैम्पेओनेस कप का आठवां संस्करण था और इसकी मेजबानी हमेशा मेजर लीग सॉकर की टीम करती है। इंटर मियामी की जीत से पहले पिछले तीन संस्करणों में मैक्सिको की टीमों ने खिताब जीता था। मैक्सिको की दिग्गज टीम क्लब अंजुल अब तक कैम्पेओनेस कप का खिताब नहीं जीत सकी है। टीम को 2021 के फाइनल में भी हार का सामना करना पड़ा था।

मैथ्यू वेड ने बिग बैश लीग से लिया संन्यास, अब कोचिंग करियर पर देंगे ध्यान

होबार्ट।ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज मैथ्यू वेड ने बिग बैश लीग (बीबीएल) क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। वह अब अपना पूरा ध्यान कोचिंग करियर पर लगाएंगे। वेड फिलहाल ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के सीमित ओवरों के बल्लेबाजी कोच की भूमिका भी निभा रहे हैं। वेड पिछले साल भी ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के साथ सलाहकार के रूप में काम कर रहे थे और इसी दौरान होबार्ट हरिकेंस के लिए बिग बैश लीग में खेलते रहे। हालांकि, उन्होंने 2026-27 स्त्र से पहले पूरी तरह से खिलाड़ी के तौर पर क्रिकेट से हटने का फैसला किया है। वेड ने 2024 टी-20 विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। अब बिग बैश लीग से विदाई के साथ उन्होंने इस प्रतियोगिता के इतिहास में अपनी जगह बनाने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में से एक के रूप में करियर समाप्त किया है। वेड ने बिग बैश लीग के उद्घाटन सत्र 2011-12 में मेलबर्न स्टार्स के साथ अपना करियर शुरू किया था, जहां उन्होंने महान स्पिनर शेन वॉर्न के साथ खेला। उन्होंने स्टार्स के लिए 16 और मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए 13 मैच खेले। इसके बाद वह अपने गृह राज्य तस्मानिया लौटे और होबार्ट हरिकेंस के लिए 90 मुकाबलों में मैदान पर उतरे। बिग बैश लीग में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में वेड नौवें स्थान पर हैं, जबकि विकेट के पीछे सर्वाधिक शिकार करने वाले खिलाड़ियों में वह पांचवें स्थान पर हैं। हरिकेंस के लिए बेन मैकड्रमॉर्ट और डी'आर्सी शॉर्ट ने उनसे अधिक रन बनाए हैं, लेकिन टीम के लिए वेड के करियर के सर्वश्रेष्ठ 130 रन नाबाद से बड़ी पारी किसी अन्य बल्लेबाज ने नहीं खेली है। वेड हरिकेंस की पहली बिग बैश लीग खिताबी जीत में भी अहम भूमिका में रहे थे। टीम ने 2024-25 सत्र में पहली बार प्रतियोगिता का खिताब जीता था। हरिकेंस के कोच जेफ वॉर्न ने एक आधिकारिक बयान में कहा, वेडी उन क्रिकेटरों में से हैं, जिन्हें आप हमेशा अपनी टीम में चाहते थे। वह जब भी मैदान पर उतरते थे, पूरी ताकत से मुकाबला करते थे और बहुत तेजी से मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते थे। उन्होंने कहा, लेकिन उतना ही महत्वपूर्ण यह है कि उन्होंने अपने आसपास के खिलाड़ियों को भी बहुत कुछ दिया। उनका क्रिकेटिंग दिमाग शानदार है और वह हमेशा अपना ज्ञान साझा करने तथा अपने साथियों को बेहतर बनने के लिए चुनौती देने के लिए तैयार रहते थे।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले सकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली।। ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स पन्थुचर्स आज मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा पिछले तीन साल से अधिक समय में पहली बार ब्याज दर बढ़ाने और आगे भी सख्ती करने का संकेत देने के कारण वॉल स्ट्रीट में पिछले सत्र के दौरान निवेशक सतर्क होकर कारोबार करते हुए नजर आए। महंगाई बढ़ने की आशंका के कारण अमेरिकी बाजार के सूचकांक गिरावट का शिकार हो गए। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एक्जेंज 631.33 अंक यानी 1.21 प्रतिशत फिसल कर 51,461.78 अंक के स्तर पर आ गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.45 प्रतिशत टूट कर 7,551.81 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 25,978.42 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स पन्थुचर्स आज फिलहाल 360.18 अंक यानी 0.70 प्रतिशत की तेजी के साथ 51,822.08 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.28 प्रतिशत उछल कर 10,688.47 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसई इंडेक्स ने 0.62 प्रतिशत की छलांग लगा कर 8,140.59 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डीएएक्स इंडेक्स 135.47 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,537.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सर्साफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। घरेलू सर्साफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। कीमत में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्साफा बाजार में सोना आज 270 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 290 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। वहीं चांदी के भाव में आज लगातार चौथे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। ये चमकीली धातु आज भी शुरुआती कारोबार के दौरान सोमवार के स्तर पर ही कारोबार कर रही है। कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्साफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,53,450 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,40,660 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्साफा बाजार में आज भी 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,53,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,53,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,53,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,53,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,40,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,53,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

करमतारा इंजीनियरिंग की स्टॉक मार्केट में शानदार शुरुआत से आईपीओ निवेशकों को बंपर मुनाफा

नई दिल्ली। रिन्यूएबल एनर्जी और ट्रांसमिशन लाइनों के लिए इक्विपमेंट्स का निर्माण करने वाली कंपनी करमतारा इंजीनियरिंग के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंटी कर अपने आईपीओ निवेशकों जम कर फायदा कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 254 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 25.98 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 320 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 352 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। हालांकि, मुनाफा वसूली के चक्कर में बीच बीच में बिकवाली भी होती रही, लेकिन पॉजिटिव सेंटिमेंट्स की वजह से ये शेयर अपर सर्किट लेवल तक पहुंच



ही गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 98 रुपये यानी 38.58 प्रतिशत का फायदा हो गया। इस कंपनी का 875 करोड़

रुपये का आईपीओ 9 से 11 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस शेयर 98 रुपये यानी 38.58 प्रतिशत का रिस्पांस मिला था, जिसके कारण ये

स्टीमहाउस इंडिया ने मजबूत लिस्टिंग से किया खुश, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। पाइपलाइन नेटवर्क के जरिये विभिन्न उद्योगों को वाष्प (स्टीम) और नाइट्रोजन गैस की आपूर्ति करने वाली तथा कम्प्यूटि डीवायल सिस्टम चलाने वाली कंपनी स्टीमहाउस इंडिया लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 81 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 14.81 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 93 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 16.67 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 94.50 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई बिकवाली के कारण ये शेयर गिर कर 91.60 रुपये के स्तर तक आ गया। हालांकि इसके बाद लिवाली शुरू हो जाने पर इसकी चाल में तेजी आ गई।

लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये कुछ देर में ही उछल कर 103.95 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस स्तर पर एक बार फिर मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिससे अपर सर्किट ब्रेक हो गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच दोपहर 1:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 101.54 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 20.54 रुपये यानी 25.36 प्रतिशत का फायदा हो गया है। इस कंपनी का 414 करोड़ रुपये का आईपीओ 9 से 11 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पांस मिला था, जिसके कारण ये शेयर अक्टूबर 32.07 गुना सब्सक्राइब हुआ था।



तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद, तेलंगाना में सिंगापुर के व्यापार और उद्योग मंत्रालय के स्थायी सचिव ऑगस्टीन ली से मुलाकात की।

ओवरऑल 66.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल लाइनों (क्व्आईबी) के लिए रिजर्व पोशंन 168.19 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोशंन में 51.17 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोशंन 13.98 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वेल्यू वाले कुल 3,44,48,817 शेयर जारी किए गए हैं। इनमें लगभग 675 करोड़ रुपये के 2,65,74,803 नए शेयर जारी किये गए हैं, जबकि लगभग 200 करोड़ रुपये के 78,74,014 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए

शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, पुराने कर्ज के बोझ को हल्का करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों की भरपाई करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। करमतारा इंजीनियरिंग की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्ट्स (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 102.65 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 139.33 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 228.75 करोड़ रुपये हो गया।

स्टॉक मार्केट में रेंटोमोजो की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। अपने ग्राहकों को घर के फर्नीचर और अप्लायंसेज किराए पर देने वाली कंपनी रेंटोमोजो के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंटी कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 404 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 18.81 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 480 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 19.42 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 482.45 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर

532.95 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इसके भाव में थोड़ी गिरावट भी दर्ज की गई। बाजार कर अपने आतापीओ निवेशकों की खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 520.45 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 116.45 रुपये यानी 28.82 प्रतिशत का फायदा हो गया है। इस कंपनी का 1,255.57 करोड़ रुपये का आईपीओ 9 से 11 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला एनएसई का आईपीओ, ग्रे मार्केट के निगेटिव रिस्पांस के कारण बोली लगाने से डर रहे निवेशक

नई दिल्ली। निवेशकों के लंबे इंतजार के बाद आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 21 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 22 सितंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 23 सितंबर को अलॉटिड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 24 सितंबर को बीएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद दोपहर 12 बजे तक ये आईपीओ सिर्फ 22 प्रतिशत ही सब्सक्राइब हो सका था। माना जा रहा है कि ग्रे मार्केट से मिले निगेटिव रिस्पांस की वजह से निवेशक काफी सतर्क हो कर इस आईपीओ के लिए बोली लगा रहे हैं। ग्रे मार्केट में एनएसई के शेयर की मांग लगातार कमजोर होती गई है। पांच सितंबर को ग्रे मार्केट में इस शेयर के लिए 310 रुपये यानी 17.37 प्रतिशत प्रीमियम मिल रहा था, लेकिन उसके

बाद से इस शेयर का ग्रे मार्केट प्रीमियम लगातार गिरता चला गया। आज लॉन्चिंग के दिन दोपहर 12 बजे ग्रे मार्केट में ये शेयर सिर्फ 137 रुपये यानी 7.68 प्रतिशत प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था। ग्रे मार्केट प्रीमियम में आई गिरावट की वजह से निवेशक अब इस आईपीओ में बोली लगाने से हिचक रहे हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 1,700 रुपये से लेकर 1,785 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 8 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इन्वेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 8 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,280 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर 1,99,920 रुपये के निवेश से अधिकतम 14 लॉट में एनएसई के शेयर की मांग लगातार कमजोर होती गई है। पांच सितंबर को ग्रे मार्केट में इस शेयर के लिए 310 रुपये यानी 17.37 प्रतिशत प्रीमियम मिल रहा था, लेकिन उसके





शून्य प्रतिशत ब्याज ऋण होने से प्रदेश के किसानों को राहत : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

बलराम कृषि महोत्सव में सीएम बोले- किसान कल्याण वर्ष में अन्नदाताओं को मिल रही सौगतें

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। अब किसानों को वर्ष में एक बार ही ऋण चुकाना होगा। 31 मार्च तक ऋण चुकाने से जुड़ी परेशानी को समाप्त किया गया है। सरकार किसानों के लिए करीब 800 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराएगी। उपमुख्यमंत्री डॉ.यादव गुरुवार को राज्य स्तरीय बलराम कृषि महोत्सव के अवसर पर सागर जिले के किसानों से वचुंअली जुड़कर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण, आधुनिक कृषि यंत्र, ड्रोन तकनीक, सिंचाई सुविधाओं सहित कृषि विकास से जुड़ी विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। सरकार का प्रयास है कि खेती को लाभ का



माध्यम बनाने के साथ किसान आय के अन्य स्रोतों को भी मजबूत किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार वर्ष 2026 को ‘कृषक कल्याण वर्ष’ के रूप में मना रही है। इसके तहत बलराम कृषि महोत्सव किसान कल्याण वर्ष के तहत भगवान बलराम और अन्नदाताओं को समर्पित है। सागर में आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों की बेहतरी के लिए सरकार कई महत्वपूर्ण

कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड के लिए केन-बेतवा नदी जोड़ी परियोजना ने कहा कि राज्य सरकार वर्ष 2026 को करीब एक लाख करोड़ रुपये की इस योजना से सागर, पन्ना, दमोह, टीकमगढ़ और छतरपुर सहित पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र में विकास की नई संभावनाएं बनेंगी। किसानों के हर खेत तक पानी पहुंचाने की दृष्टि से यह महत्वपूर्ण योजना है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर उन्हें बधाई देते हुए

बुंदेलखंडवासियों को भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सागर और बुंदेलखंड क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को बढ़ावा देने के लिए भी सरकार काम कर रही है। क्षेत्र में धान, गेहूं और ज्वार के साथ नकदी फसलों का उत्पादन भी हो रहा है। कृषि उत्पादन के साथ फूड प्रोसेसिंग इकाइयों की स्थापना से किसानों को अपनी उपज के बेहतर मूल्य के अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगामी फसल सीजन में किसानों को दिन के समय 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जा रहा है। किसानों की सिंचाई संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बिजली व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खाद को लेकर ई-टोकन की व्यवस्था की जा रही है, जिससे किसानों को खाद लेने के लिए लंबी कतारों में खड़ा नहीं होना पड़ेगा। खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए भी सरकार तीनों कार्यवाही में पुलिस ने लगभग 37 लाख 73 हजार रुपये से अधिक का मदक पदार्थ एवं अन्य संपत्ति जब्त की है। नीमच पुलिस ने थाना रतनगढ़ क्षेत्र में मादक पदार्थ तस्करो के विरुद्ध कार्रवाई करते

मध्यप्रदेश पुलिस की मादक पदार्थ तस्करो के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई

तीन दिनों में लगभग 96 लाख रुपए से अधिक कीमत के मादक पदार्थ,संपत्ति जब्त

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार एवं तस्करी के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विगत तीन दिनों में प्रदेश के विभिन्न जिलों में पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करो के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 96 लाख 41 हजार रुपये से अधिक कीमत का अवैध मादक पदार्थ, तस्करी में प्रयुक्त वाहन एवं अन्य सामग्री भी जब्त की है। मंदसौर थाना भानपुरा की चौकी भैसोदामंडी पुलिस ने दो अंतरराज्यीय तस्करो को गिरफ्तार कर 160 ग्राम एमडी, 6 किलो 800 ग्राम डोडाचूरा एवं मोटरसाइकिल सहित लगभग 16 लाख 83 हजार रुपए की संपत्ति जब्त की है। वहीं थाना शामगढ़ पुलिस ने बोलेरी पिकअप वाहन से 100 किलोग्राम डोडाचूरा सहित लगभग 10 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की है। इसके अतिरिक्त थाना नई आबादी पुलिस ने एमडी ड्रग एवं डोडाचूरा जब्त कर लगभग 10 लाख 90 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है। इस प्रकार तीनों कार्यवाही में पुलिस ने लगभग 37 लाख 73 हजार रुपये से अधिक का मादक पदार्थ एवं अन्य संपत्ति जब्त की है। नीमच पुलिस ने थाना रतनगढ़ क्षेत्र में मादक पदार्थ तस्करो के विरुद्ध कार्रवाई करते

हुए 1 किल्टल 41 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा, जिसकी कीमत 21 लाख 27 हजार रुपये है, जब्त कर 1 आरोपी को गिरफ्तार किया है। देवास पुलिस ने थाना खातेगांव क्षेत्र में ऑपरेशन प्रहार के तहत अनाज मंडी स्थित गोदाम पर दबिश देकर 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2 लाख 40 हजार रुपये कीमत की 24 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की है। वहीं गुना थाना मृगवास क्षेत्र में राजस्थान की ओर से स्मैक की तस्करी कर रहे 2 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 50.86 ग्राम स्मैक तथा तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल सहित लगभग 6 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है। उधर सिंगरीली पुलिस में थाना चितरंगी क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए घर की बाड़ेंडी में अवैध रूप से उगाए गए गांजे के 11 हरे पौधे, कुल वजन 8 किलो 200 ग्राम अनुमानित कीमत 1 लाख 20 हजार रुपये, जब्त किए। रीवा पुलिस ने थाना चोरहटा क्षेत्र में ऑपरेशन प्रहार 2.0 के तहत कार्रवाई करते हुए 62.388 किलोग्राम गांजा जब्त कर 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई में बोलेरी, टाटा बोल्ट कार एवं 7 मोबाइल सहित लगभग 22 लाख 73 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है। जबलपुर काइम ब्रांच एवं थाना मदनमहल पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में गांजे के अवैध कारोबार में लिप्त 1 आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

उपचार में लापरवाही को लेकर डॉ.सोनल अग्रवाल की सेवाएं की गई समाप्त

अर्थ ब्लड सेंटर की अनियमितताओं पर आपराधिक प्रकरण दर्ज कराने के निर्देश

भोपाल। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में मरीज के उपचार में लापरवाही एवं अनियमितताओं पर जांच के उपरांत कड़ी कार्रवाई की गई है। श्याम शाह चिकित्सा महाविद्यालय,रीवा की प्रसुति एवं स्त्री रोग विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ.सोनल अग्रवाल की सेवाएं 16 सितंबर 2026 के अपराध से समाप्त कर दी गई हैं। जनसंपर्क अधिकारी अंकुश मिश्रा ने गुरुवार को बताया कि डॉ.अग्रवाल के विरुद्ध मरीजों को नर्सिंग होम जाने के लिए बाध्य करने संबंधी शिकायत पर गठित उच्च स्तरीय समिति की जांच में दीर्घशास्ति हेतु अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की गई थी। प्राप्त स्पष्टीकरण एवं जांच प्रतिवेदन के परीक्षण के बाद कार्यकारिणी समिति के संकल्प के आधार पर मध्यप्रदेश स्वशासी चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा महाविद्यालयीन शैक्षणिक आदर्श सेवा नियम,2018 के अंतर्गत

यह कार्रवाई की गई है। आदेशानुसार डॉ.अग्रवाल भविष्य में किसी भी शासकीय/स्वशासी सेवा के लिए अन्हें होंगी। उन्होंने बताया कि कल्पना मिश्रा की प्रसव के दौरान रीवा में हुई मृत्यु के संबंध में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा गठित जांच समिति की कार्यवाही के अनुक्रम में अथर्व ब्लड सेंटर से संबंधित औषधि निरीक्षक राधेश्याम बट्टी को निर्लांबित किया गया है। बट्टी को गंभीर लापरवाही, स्वेच्छाचरिता एवं अनुशासनहीनता के कारण म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम,1966 के नियम 9 के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय उपसंचालक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन,जिला शहडोल निर्धारित किया गया है। वहीं,अथर्व ब्लड सेंटर,जिला रीवा द्वारा की गई अनियमितताओं के संबंध में संबंधित अधीनस्थ औषधि निरीक्षक के माध्यम से आपराधिक प्रकरण दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं।

रक्तदान महादान,पीड़ित मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम : शुक्ल

भोपाल। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत गुरुवार को रीवा के कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में वृहद स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने स्वयं रक्तदान कर शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी, वीरेन्द्र गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी रक्तदान किया। शिविर के दौरान उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रक्तदान महादान है और पीड़ित मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। दुर्घटनाओं में घायल लोगों तथा गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के उपचार के दौरान कई बार रक्त की आवश्यकता होती है। ऐसे में स्वस्थ और पात्र लोगों द्वारा किया गया स्वैच्छिक रक्तदान जरूरतमंदों के लिए जीवनरक्षक साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर देशभर में रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि जो लोग रक्तदान के लिए पात्र हैं, वे आगे आकर स्वैच्छिक रक्तदान करें और जरूरतमंद मरीजों की जीवन रक्षा में अपना योगदान दें। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि सामान्य तौर पर स्वस्थ 18 से 65 वर्ष आयु वर्ग के पात्र व्यक्ति चिकित्सकीय जांच के बाद रक्तदान कर सकते हैं। नियमित रक्तदान के लिए निर्धारित अंतराल और रक्त केंद्र की चिकित्सकीय सलाह का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वयं रक्तदान कर उन्हें आत्मिक प्रसन्नता हुई है। समाज के अधिक से अधिक लोगों को इस सेवा कार्य से जुड़ना चाहिए,ताकि जरूरत के समय मरीजों को रक्त उपलब्ध कराया जा सके।

मध्यप्रदेश में 7 अक्टूबर को निकलेगी ‘सेवा ज्योति कलश यात्रा’

भोपाल। विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने और सरकार की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का संदेश गांव-गांव तक पहुंचाने के उद्देश्य से ‘सेवा ज्योति कलश यात्रा- विकसित भारत का संकल्प’ का आयोजन 7 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा। यात्रा जिले के कस्बों, गांवों और ग्रामीण क्षेत्रों से होते हुए विधानसभा तथा वहां से जिला मुख्यालय पहुंचेगी,जहां इसका भव्य समापन होगा। जिले की प्रत्येक विधानसभा से एक सेवा ज्योति कलश यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा का मार्ग इस प्रकार निर्धारित किया जाएगा कि वह विधानसभा क्षेत्र के अधिक से अधिक कस्बों और गांवों से होकर गुजरे और आमजन को इससे जोड़ा जा सके। यात्रा में कलश एवं कुत्रिम मशाल प्रमुख आकर्षण होंगे। साथ ही एक प्रचार वाहन के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों, विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जाएगी। विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों और कस्बों से होते हुए यात्रा विधानसभा मुख्यालय पहुंचेगी,जहां स्थानीय स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके बाद सभी यात्राएं जिला मुख्यालय पहुंचकर एक बड़े आयोजन में शामिल होंगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिला मुख्यालय पर यात्रा के समापन अवसर पर वचुंअल संबोधन होगा। इस कार्यक्रम में जिले के केंद्रीय मंत्री, राज्य सरकार के मंत्री और सांसद शामिल होंगे।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से अधिकारी तक की समस्याओं का होगा निराकरण

भोपाल। मध्य प्रदेश महिला एवं बाल विकास विभाग के आयुक्त संदीप जी.आर. ने विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों की सेवा संबंधी समस्याओं के त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण के लिए महत्वपूर्ण पहल की है। उनके निर्देशानुसार अब संभाग एवं जिला स्तर पर प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय बुधवार को दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक नियमित समस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जनसंपर्क अधिकारी बिन्दु सुनील ने गुरुवार को बताया कि शिविरों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को लेकर जिला स्तर के अधिकारी-कर्मचारी तक अपनी सेवा संबंधी समस्याएं और आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। नियुक्ति, समयमान वेतनमान, पदोन्नति, अनुकंपा नियुक्ति, सेवानिवृत्ति उपरांत पेंशन तथा अन्य देय स्वत्वों से संबंधित प्रकरणों की सुनवाई कर नियमानुसार समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। प्रत्येक प्राप्त प्रकरण का अभिलेख भी संधारित किया जाएगा, जिससे उसके निराकरण की नियमित निगरानी की जा सके।

जनता को त्वरित राहत देना प्रभावी पुलिस नेतृत्व की पहचान: डीजीपी मकवाणा

पुलिस मुख्यालय भोपाल में प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले सहयक पुलिस अधीक्षकों से मिले

भोपाल। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने कहा है कि प्रभावी पुलिस नेतृत्व की पहचान इस बात से होती है कि अधिकारी जनता की समस्याओं का कितनी तत्परता से समाधान करते हैं और अपने अधीनस्थों को कितना बेहतर मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करते हैं। पुलिस अधिकारी समस्याओं को टालने के बजाय उनकी जड़ तक पहुंचकर उपलब्ध संसाधनों ने गुरुवार को पुलिस महानिदेशक का प्रयास करें। पुलिस मुख्यालय भोपाल में हाल ही में प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले 10



सहायक पुलिस अधीक्षकों (आईपीएस) ने गुरुवार को पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा से सौजन्य भेंट की। इस दौरान डीजीपी ने अधिकारियों से

पुलिस नेतृत्व, पर्यवेक्षण और मैदानी कार्यप्रणाली से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से संवाद किया। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए अधिकारियों को



सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में निवेश, प्रौद्योगिकी सहयोग पर होगी चर्चा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव शुक्रवार,18 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित सेमिकॉन इंडिया-2026 में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव यशोभूमि,नई दिल्ली में स्थापित मध्यप्रदेश राज्य पवेलियन का भ्रमण कर स्वीडिश एवं जापानी प्रतिनिधिमंडलों के साथ वन-टू-वन संवाद करेंगे। इसमें सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में निवेश के अवसरों,प्रौद्योगिकी सहयोग और संभावित साझेदारियों पर चर्चा होगी। संवाद में अक्साइड कॉरपोरेशन, स्कैल फोटोनिक्स, इम्प्यूट इंक., एक्रिटेक, कैन्नन, मैकडर्मिड अल्का, हान्ड्या, कैजो और जेनेसेम इंक.सहित कंपनियों एवं संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। मध्यप्रदेश सेमिकॉन इंडिया-2026 में स्टेट पार्टनर के रूप

में सहभागिता कर रहा है। मध्यप्रदेश राज्य पवेलियन,यूथ IIB005 में प्रदेश के उभरते सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम, निवेश के अवसरों, औद्योगिक क्षमताओं, प्रतिभा आधार तथा अनुकूल नीतिगत वातावरण को प्रदर्शित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव पवेलियन में प्रदेश के उद्योग एवं अकादमिक क्षेत्र के हितधारकों से भी संवाद करेंगे। औद्योगिक क्षेत्र से पारस सेमीकंडक्टर, एचएलबीएस, कास्टएनएक्स और सिक्योरिटी मीटर्स की सहभागिता है। वहीं अकादमिक एवं अनुसंधान इकोसिस्टम का प्रतिनिधित्व आईआईटी इंदौर, आईआईआईटी ग्वाल्ियर,आईटी डीएनवी और एसजीएसआईटीएस इंदौर द्वारा किया जा रहा है। सेमिकॉन इंडिया-2026 का आयोजन 17 से 19 सितंबर 2026 तक यशोभूमि, नई दिल्ली में हो रहा है। इसमें सरकारों, वैश्विक

सेमीकंडक्टर कंपनियों, प्रौद्योगिकी क्षेत्र के अग्रणी संस्थानों, निवेशकों, अकादमिक जगत और सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन से जुड़े अन्य हितधारकों की सहभागिता है। मध्यप्रदेश अपनी सहभागिता के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय हितधारकों को प्रदेश में सेमीकंडक्टर निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, नवाचार एवं संबद्ध क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों से परिचित करा रहा है। राज्य पवेलियन में प्रदेश की औद्योगिक एवं संस्थागत क्षमताओं, निवेश के अवसरों तथा सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के इकोसिस्टम को प्रदर्शित किया जा रहा है। स्टेट पार्टनर के रूप में मध्यप्रदेश की सहभागिता से वैश्विक सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम के विकास के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने के साथ बिजनेस-टू-गवर्नमेंट एवं बिजनेस-टू-बिजनेस संवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके माध्यम से निवेश,प्रौद्योगिकी साझेदारी, विनिर्माण, अनुसंधान, नवाचार एवं कुशल रोजगार के अवसरों पर संवाद को आगे बढ़ाया जा रहा है। सेमिकॉन इंडिया-2026 में मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन से जुड़े रणनीतिक संवाद को मजबूत करने और नई पीढ़ी की प्रौद्योगिकी में निवेश के लिए राज्य की तैयारियों को प्रदर्शित कर रहा है।



राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर लोकभवन में लगे रक्तदान शिविर के रक्तदाताओं से चर्चा की।

नमो युवा शक्ति कार्यक्रम में युवाओं और महिलाओं ने लिया हिस्सा

भोपाल। राजधानी भोपाल में युवाओं में उत्साह, नेतृत्व क्षमता, खेल भावना एवं सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार को बरखेड़ी कला में जिला स्तरीय नमो युवा शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत भोपाल की मुख्य कार्यपालन अधिकारी इला तिवारी ने की। कार्यक्रम में जिला पंचायत की अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी बंदाना शर्मा, जिला पंचायत भोपाल के उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट, सदस्य चन्द्रेश सिंह राजपूत, जनपद पंचायत फंदा के अध्यक्ष प्रमोद सिंह राजपूत, जिला परियोजना प्रबंधक मध्य प्रदेश डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन भोपाल डॉ. रेखा पाण्डेय सहित जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं एवं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

में सहायक होता है। उन्होंने अधिकारियों को समझाया कि मैदानी स्तर पर पुलिसिंग की वास्तविक चुनौतियों को समझना जरूरी है। इसके लिए थानों और पुलिस इकाइयों के नियमित निरीक्षण के साथ-साथ औचक निरीक्षण भी किए जाने चाहिए। इससे अधिकारियों को मैदानी व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति का पता चलता है और कमियों को समय रहते दूर किया जा सकता है। थानों के निरीक्षण को लेकर डीजीपी मकवाणा ने कहा कि निरीक्षण के दौरान पुलिस कार्यप्रणाली को छोटी-छोटी बारीकियों पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। किसी भी व्यक्ति को अनावश्यक रूप से निरुद्ध नहीं रखा

जाए। इसके अलावा थानों में लगाए गए सीसीटीवी कैमरे चालू और कार्यशील स्थिति में रहें, यह सुनिश्चित करना अधिकारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को नियमित एवं औचक निरीक्षण करने के निर्देश देते हुए कहा कि निरीक्षण केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसके माध्यम से पुलिस व्यवस्था की वास्तविक स्थिति को समझने और आवश्यक सुधार को दिशा में कार्रवाई करने का प्रयास किया जाना चाहिए। डीजीपी ने कहा कि नए अधिकारी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किए जाने वाले नियमित निरीक्षणों में सक्रिय रूप से शामिल हों।